दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः सोमवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 250 • पृष्ठ 8 • दुमका, सोमवार 11 सितम्बर 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

पीएम मोदी को भेजा गया न्योता

अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर के गर्भगृह में विराजेंगे रामलला

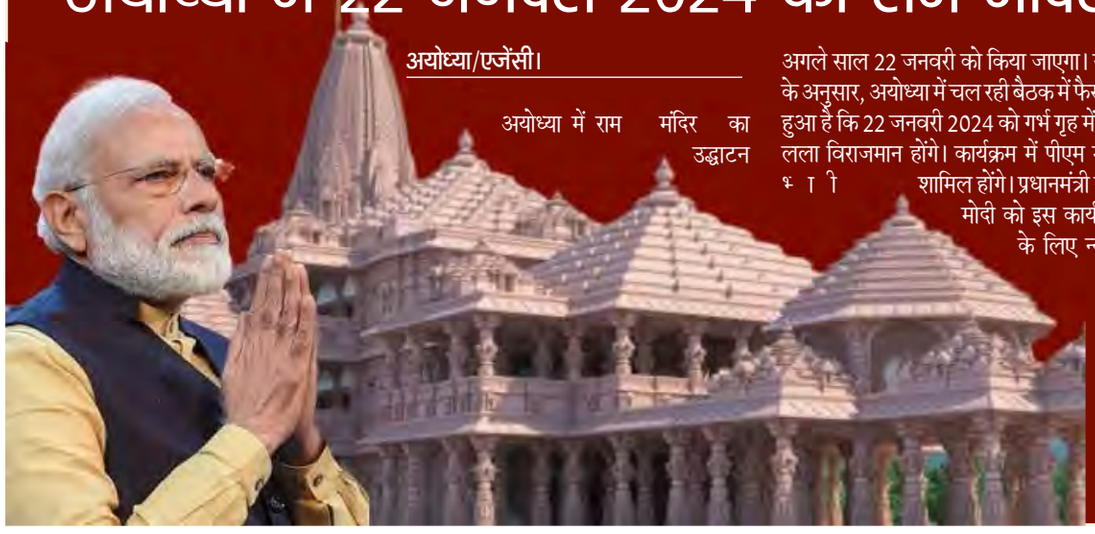

अयोध्या/एजेंसी।

अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन अगले साल 22 जनवरी को किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, अयोध्या में चल रही बैठक में फैसला हुआ है कि 22 जनवरी 2024 को गर्भ गृह में राम लला विराजमान होंगे। कार्यक्रम में पीएम मोदी भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस कार्यक्रम के लिए न्योता दिया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक समारोह के अंतिम दिन यानी 22 जनवरी को पीएम मोदी की मौजूदगी में राम मंदिर में रामलला को विराजमान किया जाएगा। अयोध्या में भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर चल रही मैराथन बैठक में कई अहम फैसले भी लिए गए। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रबंधन समिति की बागडोर आरएसएस नेता भैया जी जोशी के हाथ में रहेगी।प्रधानमंत्री मोदी के आगमन के पहले अयोध्या में खास तैयारी भी की जाएगी। राम मंदिर के उद्घाटन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई अन्य जाने-माने लोग और साधु-संत मौजूद रहेंगे। इससे पहले अभी हाल में ही सीएम योगी ने अध्योध्या जाकर राम मंदिर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया था। इससे पहले ही ऐसे खबरें थी कि मंदिर का उद्घाटन अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले किया जा सकता है। लोकसभा चुनाव मई में प्रस्तावित हैं।

बता दें कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। मंदिर का प्रथम तल लगभग बनकर तैयार है। मंदिर के उद्घाटन के बाद मंदिर को सभी भक्तों के लिए हमेशा के लिए खोल दिया जाएगा। मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने बताया कि मंदिर में 42 दरवाजे लगाए जाएंगे। मंदिर के गर्भ गृह में सोने का एक छोटा सा दरवाजा भी लगाया जाएगा। मंदिर के दरवाजों पर मोर, कलश, चक्र और फूल की नक्काशी उतारी जाएगी। गर्भ गृह में भगवान राम की दो बाल स्वरुप की मूर्तियां लगी होंगी। इनमें एक मूर्ति चल तो दूसरी अचल होगी।

अफ्रीकी संघ का शामिल होना, दिल्ली घोषणापत्र जी20 शिखर सम्मेलन की बड़ी उपलब्धियां : श्रृंगला

नई दिल्ली /एजेंसी। भारत की जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक हर्ष वर्धन श्रृंगला ने रविवार को कहा कि जी20 फोरम में अफ्रीकी संघ को शामिल करना और दिल्ली घोषणा को अपनाना एक बड़ी उपलब्धि है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, अफ्रीकी संघ मंच का स्थायी सदस्य बन गया और नई दिल्ली घोषणा को सर्वसम्मति से अपनाया गया, यह हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

श्रृंगला ने आगे कहा, इस बात को देखते हुए कि भू-राजनीतिक मुद्दों पर जी20 के भीतर मजबूत ध्रुवीकरण के बावजूद हम अपने पहले दिन के सत्र के पहले भाग में आम सहमति से नई दिल्ली घोषणा को अपनाने में सक्षम थे, यह असाधारण उपलब्धि से कम नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र के दौरान दिल्ली घोषणापत्र को अपनाने का ऐलान किया था।

दस्तावेज़ में कहीं भी रूस का उल्लेख नहीं है और पिछले साल की बाली घोषणा से अलग यूक्रेन संघर्ष को यूक्रेन में युद्ध के रूप में बताया गया है। बाली में इसे यूक्रेन के खिलाफ युद्ध कहा गया था और इसकी निंदा की गई थी।

G20 समिट का तीसरा सत्र वन फ्यूचर शुरू

नेताओं ने पीएम मोदी को पौधा भेंट कर दिया शांति का संदेश

नई दिल्ली/एजेंसी।

राजधानी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत 9 सितंबर से हो चुकी है। आज यानी रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन का दूसरा दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 की शुरुआत होने से पहले मोरक्को में आए भूकंप में हुई कई लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। भारत मंडपम में जी20 समिट का तीसरा सत्र 'वन फ्यूचर' शुरू हो चुका है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। वहीं, बैठक से पहले नेताओं ने पीएम नरेंद्र मोदी को पौधा भेंट कर शांति का संदेश दिया।

बता दें कि 10 सितंबर तक चलने वाले इस समिट के लिए दिल्ली में पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया गया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मेहमानों के स्वागत और उनकी सुरक्षा के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। इस खास सम्मेलन के दौरान दुनियाभर की नजरें भारत पर हैं। वहीं, जी20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते गुरुवार (8 सितंबर) को भी विभिन्न देशों के जनप्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। पीएम मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, मॉरीशस के पीएम प्रविंद कुमार जुगनाथ के साथ द्विपक्षीय वार्ता में शामिल हुए।

जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन वियतनाम रवाना

नई दिल्ली/एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद दिल्ली से वियतनाम के लिए रवाना हो गए। बाइडेन 8 सितंबर की शाम को राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। उसी दिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देश दूरसंचार, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमत हुए। शनिवार को जी20 शिखर सम्मेलन से इतर बाइडेन ने मोदी के साथ वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की शुरुआत की भी घोषणा की। अब तक कुल 19 देश और 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठन गठबंधन में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं,

पीएम मोदी ने की जी20 समिट के समापन की घोषणा

ब्राजील की अध्यक्षता में होगा अगला शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली/एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'वन फ्यूचर' विषय पर चर्चा के बाद जी20 समिट के समापन की घोषण की. इस दौरान प्रधानमंत्री ने सभी नेताओं से आग्रह किया कि नवंबर के अंत में एक बार फिर सभी वर्चुअल माध्यम से मिलें और इस मीटिंग के दौरान लिए गए फैसलों की समीक्षा करें. समपान का ऐलान करते हुए भारतीय पीएम ने कहा कि संपूर्ण विश्व में आशा और शांति का संचार हो. 140 करोड़ भारतीयों की इसी मंगलकामना के साथ आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'जैसा आप सब जानते हैं, भारत के पास नवंबर तक जी20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी है. अभी ढाई महीने बाकी हैं. इन दो दिनों में आप सभी ने अनेक बातें यहां रखी हैं. सुझाव दिए हैं. बहुत सारे प्रस्ताव रखे हैं. हमारी यह जिम्मेदारी है जो सुझाव आए हैं, उनको भी एक बार फिर देखा जाए कि उनकी प्रगति में गति कैसे लाई जा सकती है.'

पीएम मोदी ने कहा, 'मेरा प्रस्ताव है कि हम नवंबर के अंत में जी20 का एक वर्चुअल सेशन और रखें. उस सेशन में हम इस समिट के दौरान तय विषयों की समीक्षा कर सकते हैं. इन सब की डिटेल हमारी टीम आप सभी के साथ शेयर करेगी. मैं उम्मीद करता हूं कि आप सब इससे जुड़ेंगे.'

अपने अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'योर हाईनेस, एक्सीलेंस इसी के साथ में जी20 समिट के समापन की घोषणा करता हूं. वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का रोड मैप सुखद हो. स्वस्ति अस्तु विश्वस्य यानी संपूर्ण विश्व में आशा और शांति का संचार हो. 140 करोड़ भारतीयों की इसी मंगल कामना के साथ आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद.'

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ बासुकीनाथ धाम में करेंगे पूजा अर्चना

लालू राबड़ी के स्वागत की तैयारी में जुटे राजद कार्यकर्ता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव रविवार को सेवा विमान से देवघर पहुंच चुके हैं। सोमवार को सुबह बाबा बैधनाथ धाम देवघर में पूजा अर्चना के पश्चात प्रातः 9:00 बजे बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचकर पूजा करेंगे। बासुकीनाथ आगमन से पूर्व दुमका-देवघर जिला के बॉर्डर बेहँगा के पास राजद दुमका के पूर्व जिलाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं तथा उनके समर्थकों द्वारा राजद सुप्रीमो की भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। सभी कार्यकर्ता श्री यादव को वहां से रिसीव करके बासुकीनाथ तक लाएंगे। जहां नंदी चौक पर भी उनके स्वागत की तैयारी की जा रही है। लालू प्रसाद यादव के साथ बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी,पूर्व मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव,प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव,प्रधान महासचिव सह पूर्व विधायक गोड्डा संजय प्रसाद यादव सहित कई लोग आ रहे हैं।लालू प्रसाद बासुकीनाथ धाम में पूजा करने के पश्चात वापस देवघर जाऐंगे जहाँ से सेवा विमान से पटना लौट जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राजद जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित,पूर्व मुखिया सुरेश कुमार गौरव,मुखिया त्रिपुरारी यादव,संजय कुमार यादव,बाबूराम हेम्ब्रम,जीतेश दास,मनोज कुमार, अर्जुन शर्मा,रामचंद्र मंडल,रामसुंदर पंडित सहित कई कार्यकर्ता समर्थक राजद सुप्रीमो के स्वागत की तैयारी में जुटे हुए हैं।

भाजपा ने चलाया घर घर मिट्टी संग्रह अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला मंत्री शोभा देवी के नेतृत्व नेतृत्व में मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम किया गया।आज दुमका जिला के प्रमुख कार्यकर्ताओं द्वारा दुमका के कई देवस्थल से मिट्टी संग्रह किया गया । मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आ''ान पर आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में यह अभियान चलाया जा रहा। अग्रवाल ने कहा कि दुमका के समाज सेवी ठाकुर शयाम सुंदर सिंह ने दुमका के प्रसिद्ध पगला बाबा मंदिर के प्रांगण से मिट्टी देकर कहा कि आज हर भारतवासी अपने को कर्तव्यपथ के लिए मिट्टी देकर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। मौके पर भारत माता की जय के नारे भी लगे। भाजपा नेत्री अमिता रक्षित ने कहा कि गांव स्तर पर एक से 17 सितंबर तक मिट्टी संग्रह होगा। प्रत्येक गांव में हर घर से मिट्टी संग्रह के अतिरिक्त प्रत्येक गांव में 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका निर्माण, शहीद के गांव में विद्यालय में तथा गांव स्तर पर पंच प्रण की प्रतिज्ञा सामूहिक कराना ।आज के इस कार्यक्रम मुख्य रूप से उपस्थित अनुज आर्य,अंजुला मुर्मू,ओम केसरी ,कमल दास , प्रकाश गंधर्व,नीरज भंडारी,रीना मंडल, इंदु स्त्रिहा, के एन सिंह, मोनिका दत्ता, सोभा देवी, जयंत साहा,मंजू दास, उषा दास, सृष्टि यादव,पूनम कुमारी, दीपाली कुमारी, संधा देवी, सुनीता मुर्मू, प्रतिमा मुर्मू, सुशीला मरांडी, एलिशा आदि मौजूद थे ।

संक्षिप्त समाचार

डाक बंगला परिसर में किया जाएगा ऊर्जा मेला का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सहायक विद्युत अभियंता,विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बासुकीनाथ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सोमवार को झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, बासुकीनाथ के द्वारा नोनिहाट(डाकबंगला परिसर)मे ऊर्जा मेला लगाया जा रहा है. जिसमे (ओ टी एस) एकमुश्त निपटारा योजना एवं बकाया बिजली बिल जमा लिया जायेगा। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि बासुकीनाथ अवर प्रमंडल के अंतर्गत जितने भी बिजली उपभोक्ता है वो ऊर्जा मेला मे आकर सूद माफी योजना का लाभ लेते हुए अपना बकाया बिजली बिल जमा करें। साथ ही जो बिजली उपभोक्ता कल सोमवार को किसी कारण वश इस योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाएंगे वे 30 सितंबर तक इस सूद माफी योजना का लाभ बासुकीनाथ कार्यालय पहुंचकर ले सकते हैं।

थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में चलाया गया स्वच्छता अभियान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। हंसडीहा थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में हंसडीहा थाना परिसर,गांधी चौक एवं हनुमान मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।बताते चलें कि थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू ने खुद हाथों में झाड़ू लेकर उक्त स्थानों की साफ सफाई की।इस अवसर पर हंसडीहा थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों ने साफ सफाई अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।मौके पर थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि स्वच्छता अभियान के क्रम में सभी दुकानदारों को बताया गया कि अपने प्रतिष्ठान एवं आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखें।उन्होंने कहा कि साफ-सफाई रखने से हम कई बीमारियों से भी बच सकते हैं। बताते चलें कि हंसडीहा थाना के नवनियुक्त थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू सामाजिक सरोकार के कार्यों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं।

भाजपाइयों ने घर-घर जाकर किया मिट्टी संग्रह

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम 'मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत रविवार को रामगढ़ प्रखंड के सिलठाए पंचायत अंतर्गत ओढ़तारा के नाग मंदिर प्रांगण से मिट्टी संग्रह कर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।तत्पश्चात प्रखंड के कई गांवों में जाकर घरों से मिट्टी संग्रहित किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से भाजपा जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन,जामा के पूर्व प्रत्याशी सुरेश मुर्मू,भाजयुमो के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल,जिला उपाध्यक्ष मनोज पांडे मौजूद थे।

यूजी प्रोग्रम में नामांकन का अंतिम तिथि 20 सितम्बर तक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। यूजी प्रोग्रम में नामांकन का अंतिम तिथि 20 सितम्बर तक विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कर दिया गया है. इस बाबत एक अधिसूचना विश्वविद्यालय के डीएसडब्लू डॉ. संजय कुमार सिंह द्वारा शनिवार को जारी कर दिया गया है. जारी अधिसूचना के अनुसार वैसे छात्र-छात्राएं निम्नलिखित शेड्यूल के अनुसार कॉलेज स्तर पर नामांकन ले सकते हैं जिन्होंने नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए हो,कॉलेज स्तर पर मेरिट प्रकाशित- 11 से 12 सितम्बर तक,मेरिट में नाम वाले छात्रों का नामांकन- 12 से 20 सितम्बर तक,नामांकन फीस ऑनलाइन भुगतान का अंतिम तिथि- 21 सितम्बर तक,ज्ञात हो विश्वविद्यालय में 20 अगस्त को यूजी नामांकन प्रक्रिया बंद हो जाने के बाद कुलपति प्रो डॉ. बिमल प्रसाद सिंह के पहल पर पुनः चांसलर पोर्टल 29 अगस्त से 9 सितम्बर तक वैसे छात्र-छात्राओं के लिए खोला गया था जिन्होंने किन्ही कारणों से नामांकन के लिए आवेदन नहीं कर पाए थे. इस बीच कुल 10,000 छात्रों ने विभिन्न कालेजों में नामांकन के लिए आवेदन किए है.यहाँ बता दें विश्वविद्यालय के कुल 35 अंगीभूत, मॉडल और सम्बद्ध महाविद्यालयों के यूजी प्रोग्राम में नामांकन के लिए अब तक लगभग 55,500 छात्रों ने चांसलर पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन किए है जिसमें से लगभग 27,500 छात्र-छात्राएं नामांकन ले चुके है.

- **एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य**

इस बार यूजी चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम में नामांकन के लिए सभी छात्र-छात्राओं को नामांकन कराते समय एकेडमिक बैंक ऑ×फ क्रेडिट में रजिस्ट्रेशन का छायाप्रति जमा करना होगा यह सभी के लिए अनिवार्य है. एकेडमिक बैंक ऑ×फ क्रेडिट नई शिक्षा निति का एक महत्वपूर्ण अवयव है यह एक वर्चुअल स्टोर-हाउस जैसा है. यह बैंकों की तर्ज पर कार्य करेगी, जिस प्रकार एक बैंक में खता खोलकर व्यक्ति अपनी कमाई को जमा करता है उसी प्रकार से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में स्टूडेंट्स के द्वारा अर्जित कोर्स क्रेडिट जमा होगा. एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में रजिस्ट्रेशन छात्र स्वयं से एबीसी के आधिकारिक वेबसाइट https://www.abc.gov.in/ पर जाकर कर सकते है. यह भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है। यह पूर्णतः फ्री और सुरक्षित है.

श्री श्री 108 वैष्णवी दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रविवार को श्री श्री 108 वैष्णवी दुर्गा पूजा समति महुवाडगाल विजयपुर की बैठक ग्राम प्रधान नेपाल राउत की अध्यक्षता में की गयी।जिसमे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार दुर्गापूजा का आयोजन महुवाडगाल विजयपुर में किया जाएगा।इसमें सर्वसम्मति से अम्ल्यू पाल को समिति का अध्यक्ष चुना गया।सचिव के लिए शम्भू राउत उर्फ ठेकू,सहसचिव के लिए रमेश मंडल,कोषाध्यक्ष के लिए वीरेंद्र साह,व्यवस्था प्रमुख के लिए पंकज राउत एवं बसंत यादव को चुना गया। बैठक में पूजा खर्च के लिए तीन लाख का बजट रखा गया। समति के कार्यकारणी सदस्य के रूप में प्रकाश गंधर्व,प्रकाश पासवान,दिगम्बर मण्डल,सोहित मण्डल,अभिषेक कुमार,कमल मंडल,कृष्ण मंडल, बबलू मंडल,महादेव मण्डल,विशाल कुमार,गोलू राय,रोहित मंडल उमेश मंडल,हेमंत कुमार,रविन्द्र महतो, प्रदीप कुमार साह,जीतन चंद्र कुमार का चयन किया गया।

भाजपा प्रखंड समिति द्वारा चलाया गया मिट्टी संग्रह अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत रविवार को काठीकुंड भाजपा प्रखंड समिति द्वारा घर घर मिट्टी संग्रह अभियान चलाया गया।प्रखंड प्रभारी मार्शल ऋषिराज टुडू,प्रखंड युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिजीत सुमन,पंचायत अध्यक्ष सह प्रखंड महामंत्री गणेश राय की उपस्थिति में पिपरा पंचायत के तिलायटांड़ और सुल्ताना बाद गांव में अमृत कलश में हर घर से मिट्टी संग्रह किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के कार्यकर्ता दीपक राय,प्रधान बास्की,लक्ष्मन राय,भिनु राय सहदेव राय बोबिता देवी लक्ष्मी देवी,भुपेन्द्र कुमार राजेश मुर्मू,मेघराय हेम्ब्रम सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामिण उपस्थित थे।

पूर्व कल्याण मंत्री ने घर-घर जाकर किया मिट्टी संग्रह

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड सरकार की पूर्व कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने मसलिया बाजार में घर-घर जाकर मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं के साथ माटी संकलित किया। मौके पर भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

जयंती पर याद किये गए स्वर्गीय दुर्गा सोरेन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा विधान सभा क्षेत्र से दो बार विधायक तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव रहे स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की जयन्ती रामगढ़ में गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई। झामुमो की रामगढ़ इकाई ने जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया।झामुमो नेताओं ने स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।पुष्पांजलि समर्पित करने वालों में विधायक प्रतिनिधि नंदकिशोर साह, प्रखंड झामुमो अध्यक्ष शिवलाल मरांडी,सचिव नंदलाल राउत,छोटे लाल मंडल, राजेश कुमार गुप्ता मानू,रिंकू मंडल, राजू भगत,सुशील मुर्मू,राकेश कुमार टुडू,रतनी देवी,संजीत कुंअर,आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष सहित अनेक नेताओं ने स्वर्गीय दुर्गा सोरेन के साथ बिताए गए अलग राज्य के आंदोलन के समय को याद करते हुए उन्हें दृढ़ व्यक्तित्व वाला नेता बताया कहा कि दुर्गा सोरेन को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। आज भी झामुमो के एक एक कार्यकर्ता दुर्गा सोरेन को अपना आदर्श मानते हैं।

भाजपा नगर द्वारा मेरी माटी, मेरे देश कार्यक्रम दूसरे चरण में कई स्थानों पर कार्यक्रम हुए आयोजित

पाकुड़/झारखंड देखो।

देश के वीरों को समर्पित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पाकुड़ नगर के राजापड़ा शक्ति केंद्र एवं बल्लभपुर शक्ति केंद्र के बूथों पर आयोजित की गई।राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा जे पी नड्डा के आह्वान पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पाकुड़ नगर के विभिन्न शक्ति केंद्र पर भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज कुमार शाह के नेतृत्व में एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष *रेणुका मुर्मू भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह नगर परिषद अध्यक्ष सपा शाह, किसान मोर्चा नेत्री सबरी पाल,जिला मंत्री पार्वती पासवान मौजूद थे। आज का कार्यक्रम बल्लभपुर शक्ति केंद्र बूथ क्रमांक 433, 434 पर स्थानीय ग्राम रक्षा कली मंदिर के प्रांगण से पवित्र मिट्टी का उठाव कर विधिवत दूसरे चरण का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं बल्लभपुर के सभी घरों से थोड़ा-थोड़ा पवित्र माटी पवित्र कलश पर लेने का काम किया गया। वही शक्ति केंद्र राजापारा बूथ क्रमांक 407, 408 पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पाकुड़ नगर के प्रसिद्ध कालीबाड़ी मंदिर के प्रांगण से एवं भाजपा नेत्री मीरा प्रवीण सिंह जी के आवास के पवित्र माटी को पवित्र कलश में समर्पित कर शुभारंभ करते हुए कई घरों पर जाकर घर के बुजुर्गों से अपने आंगन के पवित्र माटी को पवित्र कलश में लेने का काम किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रेणुका मुर्मू ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश का कार्यक्रम से हमें देश की आजादी के लिए किए गए बलिदानों का एहसास होगा इसके लिए हर देशवासी को इस अभियान में शामिल होना चाहिए पूरे देश भर में अमृत कलश यात्रा निकाली जा रही है आज इसी के तहत हम सभी पाकुड़ नगर के कई शक्ति केंद्र में मेरे माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत पवित्र माटी को अपने हाथों में रखकर शपथ लिये। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत 19 शक्ति केंद्रों से प्रभारी नियुक्त किया गया, जिसमें हर घर से 2 चुटकी मिट्टी अमृत कलश में संग्रह किया जाएगा जिसका उद्देश उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानी और वीरों का सम्मान करना है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। बैठक एवं कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के नगर मंत्री शक्ति केंद्र के अध्यक्ष मोहन सरकार ,एससी मोर्चा के नगर अध्यक्ष गणेश रजक ,बूथ अध्यक्ष कृष्णा सरकार ,अरुण सरकार, मधु सरकार ,समर सरकार आलोक देवी ,दुर्गा देवी ,ब्यूटी देवी, सुजीत सरकार वह कई बूथ के अध्यक्ष आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

डेंगू मलेरिया, चिकनगुनिया के बढ़ते प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने अधिकारियों को दिये दिशा-निर्देश

- सदर अस्पताल में डैंगू, मलेरिया हेतु बनाये गये विशेष वार्ड में आवश्यक सभी व्यवस्थाओं को रखें दुरूस्त : उपायुक्त

देवघर। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में आज दिनांक-09.09.2023 को डैंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया के रोकथाम को लेकर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा करने के अलावा विशेष साफ-सफाई अभियान, एण्टी लार्वा केमिकल का छिड़काव व वार्ड वाईज फॉगिंग कराने का निदेश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सागर ने सदर अस्पताल में डैंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया को लेकर बनाये गये स्पेशल वार्ड में बेड की उपलब्धता एवं आवश्यक सुविधाओं को चौबिसों घंटे दुरूस्त रखने का निदेश सिविल सर्जन को दिया। साथ ही जिले में डैंगू से जुड़े मरीजों को दी जा रही सुविधाओं एवं इससे निपटने हेतु किये जा रहे कार्यों की स्थिति से अवगत हुए। आगे उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि यह पूर्ण रूप से सुनिश्चित करें कि कहीं भी जल जमाव, कचड़ा का ढेर एकत्रित न हो। साथ ही विशेष अभियान चलाकर ऐसा करने वालों को चिन्हित करते हुए नगर निगम अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई करते हुए जुर्माने की राशि वसूल करें। इसके अलावे उपायुक्त ने कहा कि डेंगू प्रभावित क्षेत्र जैसे संभावित एरिया को चिन्हित करने के पश्चात वहां पर नियमित रुप से फोगिंग, एण्टी लार्वा केमिकल का छिड़काव कराया जाय। साथ ही लोगों को डेंगू से बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर जागरुक करने के अलावा लोगों लक्षण होने पर उन्हें टेस्ट करवाने के लिए भी प्रेरित किया जाए। वहीं हेल्पलाईन नंबर 9113315572 पर कॉल करके डैंगू, मलेरिया व चिकनगुनियां से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सागर ने मच्छर जनित रोगों जैसे डेंगू, चिकनगुनिया व मलेरिया आदि को लेकर स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम को सतर्क एवं एक्टिव रहने का निर्देश दिया गया है। इन गंभीर रोगों से निपटने के लिए सिविल सर्जन, देवघर को पूर्ण व्यवस्था के इंतजाम के साथ रैपिड रिस्पाँस टीम के गठन का निर्देश दिया गया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को जिला व सामुदायिक स्तर पर इन रोगों के प्रति जागरुकता लाने व आपातकाल स्थिति में सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है। आगे उपायुक्त ने जिला, प्रखण्ड व पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक करने के अलावा संबंधित विभागों को आपसी सहयोग से इस दिशा में कार्य करने का निदेश दिया।

प्रखंड स्तरीय सम्मेलन को लेकर झामुमो नेताओं ने की बैठक

मोहनपुर। झामुमो के जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा के निर्देश पर मोहनपुर प्रखंड के 28 पंचायतों का सम्मेलन 16 सितंबर 2023 को विवाह भवन मोहनपुर में होना सुनिश्चित किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मोहनपुर प्रखंड कमेटी के द्वारा कल 4 जॉन मोहनपुर, घोरमारा, रिखिया व तपोवन में बांट गया और सभी जोन में चयनित 28 पंचायत के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ बैठक सफलतापूर्वक की गई। जिसमें पार्टी के पदाधिकारी को पर्यवेक्षक के रूप में प्रभार सौंपा गया। सभी पर्यवेक्षक अपने -अपने सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ बैठक किया। बैठक में पर्यवेक्षक सुनील कुमार मंडल, नवल किशोर हेंब्रम, अरुण शर्मा, अरुण यादव, श्रीकांत यादव, पति लाल मुर्मू, चंद्रमोहन मंडल, कुंदन राज, करामत अंसारी, रंजीत यादव, विष्णु तांती, संगम कुमार यादव एवं पंचायत अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित थे।

चंद्रबाबू नायडू को किया गया विजयवाड़ा कोर्ट में पेश

विजयवाड़ा। भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू को विजयवाड़ा की एक कोर्ट में पेश किया गया। इससे पहले आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नायडू को बीते दिन सीआईडी ने कौशल विकास घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी शनिवार सुबह नंद्याल से सीआरपीसी की धारा 50(1)(2) के तहत की गई। कौशल विकास घोटाला 350 करोड़ रुपये का है और इस मामले में चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ साल 2021 में एफआईआर दर्ज की गई थी।

- **ईडी भी कर रही जांच**

आंध्र प्रदेश के कौशल विकास घोटाले की जांच ईडी द्वारा भी की जा रही है। कुछ माह पहले ईडी ने इस घोटाले की आरोपी कंपनी डिजाइनटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की 31 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति भी अटैच की थी। आरोप है कि इसी कंपनी के जरिए सरकारी योजना का पैसा शैल कंपनियों को ट्रांसफर किया गया, साथ ही फर्जी इनवॉइस तैयार की गईं। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से मामले की जांच कर रही है। ईडी ने इस मामले में सीमेन्स कंपनी के पूर्व एमडी सोम्याद्री शेखर बोस, डिजाइनटेक कंपनी के एमडी विकास विनायक खानवेलकर, पीवीएसपी आईटी स्किल्स प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड और स्किलर एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ मुकुल चंद्र अग्रवाल, सीए सुरेश गोयल के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

सरकारी नाली की सफाई को लेकर व्यापारियों ने की बैठक

नाली जाम रहने से बाजार के मुख्य सड़क में बह रही है पानी

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

जबरदहा स्थित सरकारी पक्की नाली की सफाई को लेकर रविवार को पंचायत भवन में बाजार के व्यापारियों की बैठक हुई। जिसमें सामूहिक रूप से सफाई करने का निर्णय लिया गया। सरकारी मवेशी हाट से बाजार के एक नम्बर गली होते निकले पक्की नाली जाम रहने के कारण पानी की निकासी नही हो पा रहा है। जिसकारण मवेशी हाट व अन्य जगहों के गन्दा पानी सुभाष चौक होते हुए बाजार के मुख्य सड़क में फैल रहा है। जिससे बाजार दुर्गन्धमय बना हुआ है। वही हल्की बारिश होने साथ ही सड़क में काफी मात्रा में पानी बहने लगता है। पानी की नियमित बहाव के कारण सड़क की स्थिति दयनीय बन चुकी है। बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों ने नाली की सफाई पर बल दिया, वही इसको लेकर सामूहिक रूप से कार्य करने का निर्णय लेते हुए कहा गया कि जल्द ही इसकी सफाई कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। पंचायत समिति सदस्य विकास कुमार दास ने बताया कि जल्द ही अगला बैठक की जाएगी। इसके बाद सम्पूर्ण रूप से सफाई होगी। वही समाजसेवी चन्दन भगत ने बताया कि नाली की सफाई के साथ साथ दामिन डाक बंगला परिसर का भी सफाई की जाएगी। बताते चले कि बीते दिनों अंचल प्रशासन लिट्टीपाड़ा द्वारा बाजार के 24 दुकानदारों को नोटिश भेजकर निर्देश दिया गया था कि नाली में स्लैब लगाकर अवरुद्ध कर दिया गया है। जिसकारण सरकारी मवेशी हाट व बकरी हाट की पानी मुख्य सड़क में बहता है ।जल्द ही नाली की सफाई कर दिया जाय। इस मौके पर राजेश हांसदा, मिलन रुज, शिवजी साहा, शम्भू रक्षित, बामदेव दत्ता , शंकर रक्षित आदि उपस्थित थे।

झामुमो जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मनाई वीर अब्दुल हमीद की पुण्यतिथि

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिले के झामुमों कार्यकर्ताओं द्वारा परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद की पुण्यतिथि झामुमों जिलाध्यक्ष श्याम यादव के आवासीय कार्यालय में मनाई गई। सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष श्याम यादव ने अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। ततपश्चात बारी बारी से उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रधांजलि दी गई। जिलाध्यक्ष श्याम यादव ने कहा कि भारत को 1947-49 के दौरान पाकिस्तान के साथ हुए कश्मीर वॉर में अपने कई सैनिकों से हाथ धोना पड़ा था। तब पाकिस्तान को लगा कि भारत उसकी सैन्य क्षमता के आगे काफी कमजोर है। पाकिस्तान ने इसी गलतफहमी में 1965 में एक बार फिर से युद्ध छेड़ दिया जिसका भारत से मुंहतोड़ जवाब मिला। इस युद्ध में वीर अब्दुल हमीद हीरो के रूप में उभरे। भारतमाता के इस लाल ने जीप से पाकिस्तान के वो आठ टैंक ध्वस्त कर दिए जिन्हें उस वक्त अपराजेय माना जाता था। वीर अब्दुल हमीद ने जंग के मैदान में ही 10 सितंबर, 1965 को वीरगति प्राप्त की थी। आज उनका शहादत दिवस है। इस अवसर पर पूरा झामुमों परिवार उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए नमन करता है। मौके पर जिला संगठन सचिव महमूद आलम, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष हबीबुर्रहमान, मजदूर मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोज चौबे, उपाध्यक्ष राजीव कुमार झा, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुसलोद्दीन शेख, प्रखंड संयुक्त सचिव कमरूद्दीन शेख, सलीम सेख, अबूताहिर सेख, रियाकुल सेख, कादीर सेख, पंचानंद रजबार, राजीन रजबार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झामुमो ने मनाई दुर्गा सोरेन की 54 वी जयंती

पाकुड़/झारखंड देखो।

झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कार्यालय पाकुड़ में स्वर्गीय दुर्गा सोरेंन की 54 वी जयंती जिला अध्यक्ष श्री शयाम यादव के नेतृत्व में दर्जनों झामुमो कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर मनाई। उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष शयाम यादव ने दुर्गा सोरेंन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे काफी जुझारू एवं उतसाहित व्यक्ति थे झारखंड को दिशा व दशा देने में उनकी अग्रणी भूमिका रही है उनके जीवनी से आज के युवाओं को शिक्षा लेनी चाहिए एवं उनके पद चिन्हो पर चलने का प्रयास करना चाहिए मौके पर जिला संगठन सचिव महमूद आलम अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हबीबुर रहमान मजदूर मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार चौबे उपाध्यक्ष राजीव कुमार झा अधिवक्ता पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष पाकुड़ मुसलोद्दीन शेख प्रखंड संयुक्त सचिव कमरूद्दीन शेख सलीम सेख आबूताहिर सेख रियाकुल सेख कादीर सेख पंचानंद रजबार राजीन रजबार सहित दरजनो कार्य करता उपस्थित थे।

भाजपा ने केन्दूआ पंचायत में मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम चलाया

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। भारतीय जनता पार्टी हिरणपुर मंडल अध्यक्ष कैलाश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में प्रखंड के केंदुआ पंचायत अंतर्गत आसनजोला,बन पोखरिया में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के तहत अमृत वाटिका हेतु ग्रामीणों से मिट्टी संग्रह किये। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी लिट्टीपाड़ा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी दानिएल किस्कू,जिला मंत्री जामू मरांडी,सोशल मिडिया संयोजक सुकुमार मंडल,मुखिया स्टे×फन मुर्मु,मुनु हांसदा,परगाना टुडू एवं विनय पहाड़िया और ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विशाल सागर ने वेयर हाउस का किया निरीक्षण

देवघर।

शनिवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विशाल सागर द्वारा कल्याणपुर स्थित वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, वीवीपीएटी हॉल, बीयू हॉल के साथ आवश्यक विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया गया। साथ हीं उपायुक्त ने सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं के अलावा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मापदण्डों के अनुपालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त विशाल सागर ने वेयर हाउस गेट पर लगाये गये सील की जांच करते हुए परिसर में प्रतिनियुक्त जवानों के साथ परिसर व कमरों में लगे सीसीटीवी कैमरे एवं अग्निशमन यंत्रों का अवलोकन करते हुए समय-समय पर फायरबॉक्स मशीनों की जाँच करते रहने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही उपायुक्त ने अग्निशमन यंत्रो के सही तरीके उपयोग को लेकर उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देशित किया कि प्रतिनियुक्त पुलिस के जवानों को अग्निशमन विभाग से प्रशिक्षण दिलाने का निर्देश दिया है।

निरीक्षण के क्रम में उपरोक्त के अलावे उप-निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी व पुलिस पदाधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

शिक्षा में बहुत शक्ति है शिक्षित होकर ही अपने अधिकार के लिए लड़ सकते हैं : सुनील सोरेन

समाज के सभी लोगों को सकारात्मक बातों पर ध्यान देने की आवशयकता है: डॉ लुईस मरांडी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन एलआईसी के बगल गली मे जोहार हॉल में जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद सुनील सोरेन एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा एवं पूर्व कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं विश्वकर्मा भगवान के फोटो पर माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि सुनील सोरेन ने कहा कि शिक्षा में बहुत शक्ति है शिक्षित होकर ही अपने अधिकार के लिए लड़ सकते हैं उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना 17 सितंबर को शुभारंभ हो रहा है इस योजना में विश्वकर्मा समाज के लोगों को जो हाथ से कार्य करते हैं उनको रू100000 का ऋण सुविधा एवं ट्रेनिंग का सुविधा दिया गया है जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा के मांगों को रखते हुए एक लाख से बढ़कर 5 लाख तक करने का प्रयास करूंगा। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर लुईस मरांडी ने कहा कि हम हमेशा विश्वकर्मा समाज के साथ हैं विश्वकर्मा समाज आज प्रगति के राह पर है इसका प्रमाण आज के यह बच्चे हैं जो इतनी संख्या में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ। समाज के सभी लोगों को सकारात्मक बातों पर ध्यान देने की आवशयकता है झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के अधिकारों का हनन हो रहा है समाज को जो अधिकार मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है इसलिए अक्टूबर नवंबर महीना में रांची के मोराबादी मैदान में झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज का विशाल महारैली कर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। ये रैली ऐतिहासिक होगा। इस रैली में पूरे झारखंड के 24 जिले से लाखों लोग शामिल होंगे और सरकार के समक्ष अपने मांगों को रखेंगे। जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का शुभारंभ किया इसके लिए प्रधानमंत्री धन्यवाद के पात्र हैं किंतु इस योजना में ऋण की राशि की सुविधा बहुत कम दी गई है राशि को 5 लाख तक बढ़ाया जाए और पीएम ईजीपी के तर्ज पर सब्सिडी का प्रावधान किया जाए। जिससे समाज के लोगों को रोजगार को बढ़ावा देने में मदद मिल सके। सांसद महोदय से निवेदन है कि हमारी बातों को संसद भवन में रखें और राशि को बढ़ाने का कार्य करवाये। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन एलआईसी के बगल गली ₹जौहर हॉल₹ में जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा सांसद सुनील सोरेन एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा एवं पूर्व कल्याण मंत्री डॉक्टर लुईस मरांडी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं विश्वकर्मा भगवान के फोटो पर माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि सुनील सोरेन ने कहा कि शिक्षा में बहुत शक्ति है शिक्षित होकर ही अपने अधिकार के लिए लड़ सकते हैं उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना 17 सितंबर को शुभारंभ हो रहा है इस योजना में विश्वकर्मा समाज के लोगों को जो हाथ से कार्य करते हैं उनको रू 100000 का ऋ ण सुविधा एवं ट्रेनिंग का सुविधा दिया गया है जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा के मांगों को रखते हुए एक लाख से बढ़कर 5 लाख तक करने का प्रयास करूंगा। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर लु-ईस मरांडी ने कहा कि हम हमेशा विश्वकर्मा समाज के साथ हैं विश्वकर्मा समाज आज प्रगति के राह पर है इसका प्रमाण आज के यह बच्चे हैं जो इतनी संख्या में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ। समाज के सभी लोगों को सकारात्मक बातों पर ध्यान देने की आवशयकता है झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के अधिकारों का हनन हो रहा है समाज को जो अधिकार मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है इसलिए अक्टूबर नवंबर महीना में रांची के मोराबादी मैदान में झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज का विशाल महारैली कर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। ये रैली ऐतिहासिक होगा। इस रैली में पूरे झारखंड के 24 जिले से लाखों लोग शामिल होंगे और सरकार के समक्ष अपने मांगों को रखेंगे। जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का शुभारंभ किया इसके लिए प्रधानमंत्री धन्यवाद के पात्र हैं किंतु इस योजना में ऋ्रा की राशि की सुविधा बहुत कम दी गई है राशि को 5 लाख तक बढ़ाया जाए और पीएम ईजीपी के तर्ज पर सब्सिडी का प्रावधान किया जाए। जिससे समाज के लोगों को रोजगार को बढ़ावा देने में मदद मिल सके। सांसद से निवेदन है कि हमारी बातों को संसद भवन में रखें और राशि को बढ़ाने का कार्य करवाये। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि समाज मे आगे बढ़ने के लिए लंबी लकीरे खींचने की जरूरत है । बच्चे शिक्षा में अव्वल आ रहे हैं किसको देखते हुए बहुत जल्दी हम लोग कोचिंग की व्यवस्था भी करने का प्रयास करेंगे। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष शिव शंकर गुप्ता ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के बढ़ा वर्ग भवन निर्माण से जुड़ा हुआ है सभी भवन निर्माण से रजिस्ट्रेशन कर इसका लाभ ले। सभा को पवन शर्मा, अरुण शर्मा, कपिल देव शर्मा, शशांक शेखर भूई, क्रांति राणा, बैजनाथ शर्मा इत्यादियों ने संबोधित किया। मंच का संचालन नारी शक्ति सोनम शर्मा एवं रूबी शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिसमें नितीश कुमार राणा, अंजली कुमारी शर्मा, रोहित कुमार शर्मा, करिश्मा कुमारी शर्मा, अनन्या शर्मा, अमित राज, आलोक कुमार शर्मा, आदित्य राज, राहुल कुमार समेत अन्य विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष जयराम शर्मा, प्रदेश महासचिव जयप्रकाश शर्मा, महिला जिला अध्यक्ष उर्मिला शर्मा, पंचायत समिति सदस्य राजीव शर्मा, जिला संरक्षक आननत शर्मा, प्रद्युमन शर्मा, राजेश शर्मा, कपिल देव शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, लता देवी, बेबी देवी, त्रिभुवन मिस्त्री एवं सैकड़ो छात्र एवं छात्राएं एवं उनके गार्जियन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन जिला महासचिव रवींद्र शर्मा ने किया। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष शिव शंकर गुप्ता ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के बढ़ा वर्ग भवन निर्माण से जुड़ा हुआ है सभी भवन निर्माण से रजिस्ट्रेशन कर इसका लाभ ले। सभा को पवन शर्मा, अरुण शर्मा, कपिल देव शर्मा, शशांक शेखर भूई, क्रांति राणा, बैजनाथ शर्मा इत्यादियों ने संबोधित किया। मंच का संचालन नारी शक्ति सोनम शर्मा एवं रूबी शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिसमें नितीश कुमार राणा, अंजली कुमारी शर्मा, रोहित कुमार शर्मा, करिश्मा कुमारी शर्मा, अनन्या शर्मा, अमित राज, आलोक कुमार शर्मा, आदित्य राज, राहुल कुमार समेत अन्य विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष जयराम शर्मा, प्रदेश महासचिव जयप्रकाश शर्मा, महिला जिला अध्यक्ष उर्मिला शर्मा, पंचायत समिति सदस्य राजीव शर्मा, जिला संरक्षक आननत शर्मा, प्रद्युमन शर्मा, राजेश शर्मा, कपिल देव शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, लता देवी, बेबी देवी, त्रिभुवन मिस्त्री एवं सैकड़ो छात्र एवं छात्राएं एवं उनके गार्जियन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन जिला महासचिव रवींद्र शर्मा ने किया।

संक्षिप्त समाचार

कृषि मंत्री माननीय बादल पत्रलेख पहूंचे कांग्रेस कार्यालय, कार्यकर्ताओं से हुए रुबरु

देवघर। कृषि मंत्री बादल पत्रलेख दोपहर जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं से सांगठनिक कार्यों की समीक्षा की। इनके साथ आम समस्याओं तक को भी जाना एवं उनका समाधान भी किए। सांगठनिक कार्यों के समीक्षोपरान्त आवशयक दिशा निर्देश दिये तथा आगे के कार्यक्रमों के संदर्भ में अपने सुझाव दिए।

इस दौरान कांग्रेस के जिला प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी, युवा जिलाध्यक्ष आदित्य सरोलिया,सोसल मीडिया प्रभारी अमित पांडेय, महिला जिलाध्यक्षा चमेली देवी, राहुल राज, अश्वनी कुमार आदि मौजूद थे।

मासिक पत्रिका द्वारा आयोजित मेगा क्विज कंपिटिशन में बच्चे हुए पुरस्कृत

- **प्रतियोगिता अहम है लेकिन कोई भी प्रतियोगिता अंतिम नहीं: उपविकास आयुक्त**

देवघर। मासिक पत्रिका के बैनर तले मेगा क्विज कंपिटिशन, सीजन-4 के आयोजन देवघर आई ए एस अकादमी के प्रशाल में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में देवघर विधायक नारायण दास, उप विकास आयुक्त डॉ कुमार ताराचंद उपस्थित थे।

मौके पर मुख्य अतिथि नारायण दास ने उपस्थित प्रतिभागियों से कहा कि नर हो न निराश करो मन को..... इसलिए आज प्रतियोगिता का परिणाम जो भी हो पर आप जीवन में कभी भी निराश न हों बल्कि जीवन में आगे आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए स्वयं को और तैयार करें।

उपविकास आयुक्त डॉ कुमार ताराचंद ने कहा कि प्रतियोगिता अहम् है लेकिन कोई भी प्रतियोगिता अंतिम नहीं। इसलिए आप निरंतर मेहनत करते रहें, परिणाम अवशय प्राप्त होगा ।

ज्ञात हो कि आज के प्रतियोगिता के पूर्व विभिन्न विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच प्रतियोगिता कराई गई थी जिसमे चयनित 50-50 प्रतिभागियों के बीच आज प्रतियोगिता कराई गयी।

प्रतियोगिता के समाप्ति के बाद प्रथम ग्रुप में आदित्य पांडे, शिवम् गुप्ता और सौंदर्या आनंद क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। वहीं द्वितीय ग्रुप में अभिजीत आनंद, नवीन कुमार सत्यम और स्नेहिल आनंद क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और मोमेंटो दिया गया।

क्विज मास्टर की भूमिका गुरुकुल कोचिंग सेंटर के रविशंकर ने निभाई।

मौके पर मासिक पत्रिका के संपादक प्रमेश कुमार वर्मा, देवघर आई ए एस अकादमी के निदेशक अमित कुमार, जसीडीह पब्लिक स्कूल के निदेशक भारतेन्दु दुबे, संत कोलम्बस स्कूल के प्राचार्य गौरव शंकर, रामसेवक सिंह गुंजन, देवघर सेंट्रल स्कूल के प्राचार्य सुबोध झा, ज्ञानती सिंह, एकता रानी, अमित कुमार इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वोटर आईडी कार्ड में ब्लैक एंड व्हाइट फ़ोटो को आसनी से रंगीन फोटो में करे तब्दील: विशाल सागर....

देवघर। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विशाल सागर द्वारा जानकारी दी गई है कि वोटर आईडी कार्ड को बनाने का कार्य भारतीय निर्वाचन समिति द्वारा किया जाता है। निर्वाचन समिति समय-समय पर तकनीक और कार्ड की जरूरत के हिसाब से इसमें बदलाव भी करती है। साथ ही वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची पुनिरक्षण कार्यक्रम के तहत वैसे मतदाता जिनका भी वोटर आईडी कार्ड में ब्लैक एंड व्हाइट फ़ोटो लगी हुई है या आईडी कार्ड में साफ छवि नहीं दिखा-ई दे रही है उसका भी फ़ोटो आसानी पूर्वक बदला जा सकता है। इसके अलावा डाटा या जानकारी जैसे नाम, उम्र, पता, फोटो, डीओबी आदि में बदलाव के लिए फॉर्म 08 को भरकर अपने बीएलओ को दे सकते हैं और आसानीपूर्वक बदलाव व सुधार अपने वोटर आईडी कार्ड में करा सकते हैं।

नगर निगम द्वारा इंफोर्समेंट ऑफिसर्स को हटाए जाने पर बवाल

हटाए गए पूर्व सैनिकों ने पूछा? जो कार्यरत हैं उनकी नौकरी बहाली का आधार क्या?

रांची/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

रांची नगर निगम द्वारा अपने 30 एनफोर्समेंट अफसर की सेवा पर रोक लगाने जाने पर पूर्व सैनिक खुलकर इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। उनका कहना है कि आज से उनकी सेवा पर रोक लगाना किसी भी तरीके से सही नहीं है। गौरतलब है कि निगम द्वारा अपने 30 एनफोर्समेंट ऑफिसर को सेवा लेने पर आज से रोक लगा दी गई है। जबकि पूर्व गठित 17 एनफोर्समेंट ऑफीसर की सेवा नगर निगम द्वारा अभी भी ली जा रही है,

इस बाबत पूर्व सैनिकों के एक दल का कहना है कि आखिर क्यों ऐसा अन्याय उनके साथ हो रहा है? जो एनफोर्समेंट ऑफीसर सेवादार हैं वो, आख़िर किस आधार पर कार्यरत है ?

क्या ये सभी दूध के धुले है। ये सभी विगत पिछले कई वर्षो से खाकी वर्दी के साथ कार्य कर रहे थे, तब उस समय किसी भी प्रकार की प्रशासन द्वारा शिकायत नहीं की गई ,

यदि की गई तो उस समय कार्यवाही क्यों नहीं की गई।

पूर्व में 17 में 07 एनफोर्समेंट ऑफीसर सुपरवाइजर थे जो की वर्दी पहन कर सेवारत थे। उनको किस आधार पर वर्दी दिया गया जबकि वो भूतपूर्व सैनिक भी नहीं है। ये भेदभाव भूतपूर्व सैनिक के साथ क्यों।

झारखण्ड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन के देवघर जिला इकाई का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ

देवघर। महेशमारा स्थित स्पर्श वाटिका में राज्य संगठन के निर्देशानुसार राज्य संगठन के मुख्य संरक्षक सुनील खवाड़े एवं प्रदेश संयोजक राजेश कुमार मिश्र की उपस्थिति में तथा चुनाव पर्ववेक्षक शयाम किशोर गाँधी, डॉ. कुंदन झा एवं स्मिता हांसदा की देखरेख में झारखण्ड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन के देवघर जिला इकाई का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

अपने सम्बोधन में मुख्य संरक्षक सुनील खवाड़े ने कहा कि शिक्षकों और इस संगठन के हित में जहाँ कहीं भी मेरी आवशयकता पड़ेगी, मैं अपने पुरे सामर्थ्य के साथ उपस्थित रहूँगा। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन देवघर में होगा, इसके लिए राष्ट्रीय स्तर के जितने भी पदाधिकारी एवं शिक्षक आएंगे, उनके लिए सारी व्यवस्था कि जिम्मेदारी मेरी होगी। पर्यवेक्षक शयाम कुमार गाँधी एवं कुंदन झा ने मुख्य संरक्षक की तारीफ करते हुए कहा कि इनके संरक्षण में संगठन का कार्यक्रम बहुत बेहतरीन होता है एवं देवघर जिले के संगठन के बैठकों में शिक्षकों की उपस्थिति भी शानदार रहती है। पर्यवेक्षक स्मिता हांसदा ने महिला सशक्तिकरण की बात कहते हुए महिला शिक्षकों को संगठन में अधिक से अधिक सक्रिय रहने की अपील की।

संगठन के चुनावी प्रक्रिया में अध्यक्ष बसंत ठाकुर एवं प्रधान सचिव देवकांत मंडल निर्विरोध निर्वाचित हुए। महिला जिलाध्यक्ष एवं सचिव के लिए क्रमशः उषा रानी दास एवं पूनम कुमारी निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर बीरेंद्र अग्रवाल, अक्षय किशोर यादव, परेश राय, मो. खालिद हुसैन एवं शशि कुमार चुने गए। संयुक्त सचिव के लिए राजकमल दुबे चुने गए। जिला उपसचिव के पद पर मो. मुज़ाहिद हुसैन, शिवबिहारी सिंह, रितेश कुमार, ज्ञानानंद झा एवं सोहन दास का चयन हुआ। संगठन सचिव राजेश पत्रलेख, मु. तौकिक आलम, दिवाकर प्रसाद, अशोक रजवार एवं सुभाष कुमार सुमन का चयन हुआ, वहीं कोषाध्यक्ष के पद के लिए कालेश्वर दास, अंकेक्षक के लिए कृष्णमोहन चौधरी, मीडिया प्रभारी सुधीर प्रसाद एवं राज्य प्रतिनिधि के लिए उषारानी दास और सतीश यादव चुने गए।

डिगरिया पहाड़ स्तिथ बायोडाइवर्सिटी पार्क में किया गया मैराथन दौड़ का आयोजन

- **माननीय विधायक ने कहा जिले में इको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा....**
- **पर्यटन व प्रकृति एक मनोरम संगम:- उपायुक्त ....**
- **पर्यावरण संरक्षण के प्रति हम सभी को सजग रहने की आवशयकता:-उपायुक्त....**
- **सभी प्रतिभागियों को फलदार वृक्ष पौधरोपण हेतु प्रदान किया गया....**

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डिगिरिया जैव विविधता उद्यान, देवघर में पूर्व आयोजित कार्यक्रम के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमे 15 वर्ष से 40 वर्ष के युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान माननीय विधायक नारायण दास, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर, उप विकास आयुक्त डॉ ताराचंद, डीएफओ राजकुमार साह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम से पूर्व विधायक देवघर ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा डिगरिया पहाड़ में आयोजित किए इस मैराथन दौड़ के पहल को लेक-र बधाई। आज जिला प्रशासन द्वारा एक सकारात्मक पहल के माध्यम से बायोडायवर्सिटी पार्क में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है, जिसमें युवाओं की सहभागिता और सभी की सक्रियता को बधाई और शुभकामनाएं। साथ उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक जगह है जिसे बायोडायवर्सिटी पार्क के रूप में विकसित किया गया है। बायोडायवर्सिटी पार्क बनने के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा कराया गया है, ताकि इस पार्क को जन-जन तक पहुचाया जा सके।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों का डिगरिया बायोडायवर्सिटी पार्क में स्वागत करते हुए मैराथन दौड़ के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। आगे उन्होंने कहा कि बायोडायवर्सिटी पार्क को युवाओं तक पहुंचाने खेल के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण, क्लाइमेट चेंज के अलावा दुर्लभ प्रजाति और औषधीय गुण वाले पेड़-पौधों, जंगली पशु पक्षी के साथ इस बायोडायवर्सिटी पार्क से सभी को अवगत कराने के उद्देशय से किया गया है। साथ ही उपायुक्त ने ग्लोवल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के इस माहौल में प्राकृतिक संपदा और खासकर वनों को सहेजने और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की बात कही। इसके अलावे उपायुक्त ने कहा कि बायोडायवर्सिटी पार्क में ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों की रुचि बढ़ाने के उद्देशय से पार्क में पर्यटकों की सुविधा और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देशय से और बेहतर कार्य यहाँ किए जाएंगे।

आज आयोजित 04 कि0लो0 मीटर मैराथन दौड़ में पुरुष और महिला वर्ग में दौड़ का आयोजन किया गया और तीन-तीन विजय प्रतिभागियों को नकद राशि देक-र पुरस्कृत किया गया। वहीं 10 प्रतिभागियों को संतवाना पु-रस्कार से पुरस्कृत किया गया। उपरोक्त मैराथन दौड़ के विजेता को 5,000- उप विजेता को 3000 ल- एवं तृतीय स्थान वाले खिलाड़ी को 2000- रू0 नगद पुरस्कार एवं स्पोर्ट्स कीट प्रदान किया गया। वही लगभग 500 लोगों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को फलदार वृक्ष पौधरोपण हेतु प्रदान किया गया।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा माननीय मंत्री के प्रतिनिधि संजय शर्मा, डीआरडीए निर्देशक परमेश्वर मुंडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी संतोष यादव, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणबीर सिंह एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी, रेंजर व कर्मी आदि उपस्थित थे।

उद्यान विभाग द्वारा केला G-9 प्रभेद व आम के पौधों का किया वितरण

साहेबगंज । वित्तीय वर्ष 23 -24 उद्यान विकास योजना एवं राज्य बागवानी मिशन योजना अंतर्गत जेएसएलपीएस, आईटीसी के द्वारा चयनित 07 प्रखंडों बरहेट, बोरियो, मडरो, तालझारी राजमहल, पतना, बरहरवा के 247 लाभुकों के बीच रविवार को आम के पौधों का वितरण किया गया। इसके साथ ही आठ प्रखंडों में 216 लाभुकों के बीच केले के पौधों का वितरण भी किया गया। वहीं चयनित लाभुक किसानों के बीच आम एवं केले के वितरण का उद्देशय ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी को बढ़ावा देना है इन पौधों से किसान फलों की खेती के लिए भी प्रेरित होंगे। मौके पर बरहेट उपप्रमुख रूपक शाह, पंचायत समिति सदस्य अजय कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी प्रेम पासवान, सब्जी प्रसार कार्यकर्ता, बागवानी मित्र बाबूजी सोरेन, राजेंद्र शाह, सखी मंडल के सदस्य, ग्रामीण किसान तथा बीआरपी लाइवलीहुड एवं अन्य उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सशक्तीकरण अभियान के तहत कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने की बैठक

पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करें : राजेश ठाकुर

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कांग्रेस भवन में रविवार को सशक्तीकरण अभियान के तहत संगठन निर्माण की समीक्षा बैठक की। ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से किए गए भारत जोड़ो यात्रा के संदेश को घर घर तक पहुंचाने के लिए सभी जिला प्रभारी महासचिव, सचिव सह विधानसभा प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष मिलकर पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करें। महंगाई बेरोजगारी एवं नफरत से लड़ने के लिए सशक्त संगठन बनाकर केंद्र सरकार के जनविरोधी नीतियों का विरोध करना होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने जिला प्रभारियों को निर्देश दिया कि मंडल एवं पंचायत स्तर तक गठित कमिटियों का सत्यापन कर अविलंब प्रदेश कार्यालय को रिपोर्ट करें।

बूथ कमिटी बनाने की शुरूआत करें। ज़िले के प्रकोष्ठ एवं विभाग

के अद्यतन स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यक फेरबदल के लिए अनुशंसा करें।

इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक है। पार्टी संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूती प्रदान करना है। सभी जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी सभी पंचायतों में कमिटी का गठन करें।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी अमुल्य नीरज खलखो, जिला प्रभारी प्रदेश महासचिव मदन महतो सहित अन्य नेता मौजूद थे।

नामकुम में दुर्गा सोरेन की प्रतिमा का मंत्री चंपई सोरेन ने किया अनावरण

रांची। नामकुम स्थित लोवाडीह में रविवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बड़े पुत्र दिवंगत दुर्गा सोरेन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण कल्याण मंत्री चंपई सोरेन ने किया। दिवंगत दुर्गा सोरेन की 55 वीं जयंती समारोह का आयोजन स्व. दुर्गा सोरेन स्मारक समिति के बैनर तले आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कल्याण मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की मार्ग पर चलने वाले दुर्गा सोरेन आज हमारे बीच नहीं है।

मगर शिबू सोरेन की आग में तपकर दुर्गा सोरेन बड़े हुए थे। उन्होंने झारखंड आंदोलन में अहम भूमिका निभायी। वह झारखंडियों के मान-सम्मान और हक-अधिकार के प्रतीक थे।आज उनकी कमी महसूस होती है जो

काम 18-20 सालों में विपक्ष वाले नहीं कर पाये। वह सारे काम हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर रहे हैं। हमारी सरकार के काम भाजपा वालों को हजम नहीं हो रहा है। हर समय हमारी सरकार को अस्थिर और गिराने की साजिश की जा रही है। लेकिन हम और हमारे कार्यकर्ता दिशोम गुरु शिबू सोरेन और दुर्गा सोरेन के मार्ग पर चलने वाले लोग हैं। हम न डरेंगे और ना ही भागेंग। जरूरत पड़ी तो फिर से तीर-धनूष निकाल कर चल पड़ेंगे।

दुर्गा सोरेन की पत्नी और विधायक सीता सोरेन ने कहा कि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था, मगर उस समय हमारी सरकार नहीं थी। मुख्यमंत्री और नगर विकास मंत्री हेमंत सोरेन के सौजन्य से दुर्गा सोरेन की आदमकद प्रतिमा लग गई है। यह काफी हर्ष का विषय है। हेमंत जी-20 की बैठक में जाने के कारण उपस्थित नहीं सके। लेकिन उनका योगदान और स्मारक समिति का योगदान झामुमो कार्यकर्ता कभी भुला नहीं पाएंगे।

देवघर पहुंचे लालू और राबड़ी के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

रांची। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी रविवार को देवघर पहुंचे। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने गाजे-बाजे के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। एयर पोर्ट से लेकर देवघर परिसदन तक लालू और राबड़ी देवी को देखने के लिए जगह-जगह सड़कों के किनारे लोगों का जमावड़ा था। लोग अभिवादन करते नहीं थक रहे थे। लालू सभी का अभिवादन स्वीकार करते रहे। स्वागत करने वालों में झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव, झारखंड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोगता, बादल पत्रलेख, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, पूर्व सांसद घुरन राम, राष्ट्रीय

महासचिव अभय कुमार सिंह, चतरा लोकसभा के पूर्व उम्मीदवार सुभाष प्रसाद यादव, पूर्व विधायक रामदेव यादव, कल्पना देवी, युवा राजद अध्यक्ष रंजन यादव, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, श्यामदास सिंह, महिला अध्यक्ष रानी कुमारी सहित हजारों की संख्या में नेता कार्यकर्ता शामिल थे।हवाई अड्डा से आने के बाद लालू ने झारखंड के कोने-कोने से आए राष्ट्रीय जनता दल के सभी नेताओं और कार्यकताओं से मुलाकात की। साथ ही सभी को संगठन मजबूत करने का कड़ा निर्देश दिया। राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू ने कहा कि भाजपा भगाओ देश बचाओ। देश सभी का है और सभी के लिए बना है। नफरत फैलाने वाले पूरे देश में नफरत फैला रहे हैं। इस देश में नफरत फैलाने वालों को देश से भगाना होगा।

अपार्टमेंट की छत से कूदकर महिला ने की आत्महत्या

रांची। बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह रोड स्थित स्काई डेल अपार्टमेंट के 10वें तल्ले से रविवार को एक महिला कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान चंद्रेश्वर प्रसाद की पत्नी मधुबाला (49) के रूप में हुई है। मधुबाला इसी अपार्टमेंट के चौथे तल्ले पर अपने पति चंद्रेश्वर प्रसाद और बच्चे के साथ रहती थी। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुटी हुई है। मधुबाला ने आत्महत्या की है या किसी ने उन्हें धक्का दिया है। इसका पता अभी नहीं चल पाया है। जांच के बाद ही सही कारणों का पता चल पायेगा।इस संबंध में चंद्रेश्वर प्रसाद ने बताया कि शनिवार राततक सब ठीक था। उनकी पत्नी बेटे के साथ सोती थी और वो अकेले सोते थे। रविवार सुबह वो कब घर से बाहर निकली,उन्हें पता ही नहीं चला। अपार्टमेंट के लोगों ने उन्हें जानकारी दी। सूचना पाकर वो भागे-भागे वहां पहुंचे तो देखा कि उनकी पत्नी मधुबाला खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ी है। पुलिस ने महिला के पति के बयान पर यूडी केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक मधुबाला चंद्रेश्वर प्रसाद की दूसरी पत्नी थी। पहली पत्नी की मौत के बाद चंद्रेश्वर प्रसाद की मधुबाला से शादी हुई थी। दोनों का एक दस साल बच्चा भी है। चंद्रेश्वर प्रसाद शिक्षा विभाग में कार्यरत है और बिहार के सासाराम के रहने वाले हैं।

रांची में 24 सितंबर को करम पूर्व संध्या का होगा आयोजन

रांची। सरना नवयुवक संघ की केंद्रीय समिति की बैठक रविवार को संघ के अध्यक्ष डॉ हरि उरांव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरना नवयुवक संघ,केंद्रीय समिति के तत्वावधान में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 सितम्बर को रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में करम पूर्व संध्या समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में मुख्य रूप से आदिवासी बालक- बालिका कॉलेज छात्रावास के छात्र-छात्राओं एवं कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र -छात्राओं के द्वारा सामूहिक नृत्य, एकल गीत प्रस्तुत की जाएगी साथ ही संघ द्वारा प्रकाशित सरना फूल

पत्रिका का लोकार्पण भी किया जाएगा।

समिति ने रचनाकारों से निवेदन किया है कि सरना फूल पत्रिका में प्रकाशनार्थ रचना 14 सितंबर 2023 तक आदिवासी लूर अड्डा में जमा करें, जिनकी विशेष सामग्रियां आदिवासी जीवन शैली, इतिहास, धर्म, कला,साहित्य, शैक्षिक, आर्थिक, समाजिक,सांस्कृतिक एवं समसामयिक पहलुओं पर प्रकाश डालती हो, इस संबंध में अगली बैठक 17 सितंबर को होगी।

झारखंड को मिली अंतरराष्ट्रीय हॉकी वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

रांची। देश में पहली बार हो रहे वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का जिम्मा झारखंड को मिला है। एशिया हॉकी महासंघ ने इसका शेड्यूल जारी किया है। प्रतियोगिता का पहला मैच 27 अक्टूबर को जापान और मलेशिया के बीच खेला जाएगा जबकि भारत का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को ही रात 8.30 बजे से थाइलैंड के साथ होगा।

झारखंड सरकार और हॉकी झारखंड ने खेल प्रेमियों के लिए फ्री इंट्री की घोषणा की थी। इस इंटरनेशनल ट्रॉफी में झारखंड की चार खिलाड़ी भी भारतीय दल का हिस्सा हैं। इनमें निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, ब्यूटी डुंगडुंग व संगीता कुमारी शामिल हैं। सभी मैच रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में सभी मैच खेले जाएंगे।

प्रतियोगिता में एशिया की टॉप छह टीमें मेजबान भारत के साथ जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड भाग ले रही हैं। प्रत्येक दिन तीन मुकाबले खेले जाने हैं।

27 अक्टूबर को जापान बनाम मलेशिया-शाम 4 बजे, चीन बनाम कोरिया-शाम 6:15 बजे, भारत बनाम थाईलैंड-रात 8:30 बजे।

28 अक्टूबर को जापान बनाम कोरिया-शाम 4 बजे, थाईलैंड बनाम चीन-शाम 6:15 बजे, भारत बनाम मलेशिया-रात 8:30 बजे।

30 अक्टूबर को कोरिया बनाम मलेशिया-शाम 4 बजे, थाईलैंड बनाम जापान-शाम 6:15 बजे, चीन बनाम भारत-रात 8:30 बजे।

31 अक्टूबर को कोरिया बनाम थाईलैंड-शाम 4 बजे, मलेशिया बनाम चीन-शाम 6:15 बजे, जापान बनाम भारत-रात 8:30 बजे।

02 नवंबर को मलेशिया बनाम थाईलैंड-शाम 4 बजे, चीन बनाम जापान-शाम 6:15 बजे, भारत बनाम कोरिया-रात 8:30 बजे।

04 नवंबर को पांच और छह स्थान के लिए-शाम 3:30 बजे, पहला सेमीफाइनल-शाम 6:00 बजे, दूसरा सेमीफाइनल-रात 8:30 बजे

सार-संक्षेप

मुख्यमंत्री 11 सितंबर को विकास मेला का करेंगे उद्घाटन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 11 सितंबर को हजारीबाग दौरे पर रहेंगे। हजारीबाग में होनेवाले विकास मेला का उद्घाटन करेंगे। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मीडिया प्रभारी मुकुल लकड़ा ने दी है।

दूसरे दिन भी नहीं मिला खूंटी के पेरवाघाघ जलप्रपात में डूबे युवक का शव

खूंटी। पेरववाघाघ जल प्रपात में शनिवार को तेज धारा में बहे चुटिया नामकुम के सौरभ कुमार सिंह का शव दूसरे दिन भी नहीं मिल सका। एनडीआरएफ की टीम ने ग्रामीणों के साथ रविवार को सुबह से शाम पांच बजे तक जल प्रपात के लगभग दो किलोमीटर दायरे में शव की तलाश की लेकिन सफलता नहीं मिली।

एनडीआरएफ के जवानों का कहना था कि अब भी पानी की धारा काफी तेज होने के कारण सौरभ के शव को खोजा नहीं जा सका। उन्होंने कहा कि सोमवार को पानी कम होने के बाद फिर से शव की तलाश की जाएगी। तपकारा थाना प्रभारी रंजीत किशोर, पुलिस अवर निरीक्षक बलराम सिंह और रोशन कुमार सिंह तथा एएसआई रमजानुल हक दिन भर पेरवाघाघ में जमे रहे और स्थिति का जायजा लेते रहे। उल्लेखनीय है कि सौरभ कुमार सिंह दोस्तों के साथ शनिवार को पेरवाघाघ जलप्रपात घूमने आया था। नदी में हाथ-पैर धोने के दौरान वह नदी में गिर गया और देखते ही देखते तेज धारा में बह गया।

शराब तस्करी के तीन आरोपित गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ट्रेन से बिहार शराब तस्करी करने के तीन आरोपितों को हटिया और रांची स्टेशन से गिरफ्तार किया है। इनमें आकाश कुमार, पंकज चौधरी और पवन कुमार शामिल हैं। इनके कब्जे से 29 बोतल व्हिस्की बरामद हुआ है। बरामद शराब की कीमत आठ हजार रुपये है।

गिरफ्तार तस्करों को उत्पाद विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। यात्री सुरक्षा सेल के प्रभारी निरीक्षक दिगंजय शर्मा ने बताया की रेल सुरक्षा बल रांची ने शराब तस्करों पर नकेल कसने के लिए उनके खिलाफ ऑपरेशन सतर्क के तहत यह करवाई आगे भी जारी रहेगा।

सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने किया पदभार ग्रहण

रांची। रांची के सिटी एसपी के रूप में राज कुमार मेहता ने रविवार को पदभार ग्रहण किया। मौके पर उन्होंने कहा कि आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इसके अलावा विधि व्यवस्था , महिलाओं की सुरक्षा, पीड़ितों को न्याय दिलाना, नशीले पदार्थ पर विशेष फोकस रहेगा।

राजकुमार मेहता इसके पहले गढ़वा, लातेहार, पलामू, रांची सहित अन्य कई जिलों में डीएसपी के पद पर अपना योगदान दे चुके हैं। वहीं दूसरी ओर आईपीएस चंदन कुमार सिन्हा को रांची जिले का नया एसएसपी बनाया गया है। आईपीएस चंदन कुमार सिन्हा शनिवार को एसएसपी का पदभार ग्रहण किये थे।

धुर्वा के कई क्षेत्रों में 11 सितंबर को धारा 144

रांची। झारखंड राज्य तेजस्विनी कर्मचारी संघ के आंदोलन को देखते हुए 11 सितंबर को धुर्वा के कई इलाकों में सुबह आठ बजे से निषेधाज्ञा लगाने की घोषणा की गयी है।

झारखंड राज्य तेजस्विनी कर्मचारी संघ ने 11 सितंबर को प्रभात तारा मैदान से जुलूस निकालते हुए प्रोजेक्ट भवन का घेराव करने एवं अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। इसे देखते हुए सदर अनुमंडल दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने 11 सितंबर को धुर्वा गोलचक्कर से प्रोजेक्ट भवन से लेकर चांदनी चौक तक, हटिया को जोड़ने वाली सड़क तथा इस सड़क के 200 मीटर की परिधि में धारा 144 लागू करने संबंधी पत्र जारी किया है, जो सुबह आठ बजे से अगले आदेश तक लागू रहेगी।

पलामू में जमीन विवाद को लेकर जेपीसी नक्सली संगठन के नाम से पोस्टर जारी

पलामू । पाटन थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर जेपीसी नक्सली संगठन के नाम पर पोस्टर चिपकाया गया है। पोस्टर में मुखिया को धमकी देते हुए लिखा गया है कि ह्वप्लॉट बाय प्लॉटह्व और वंशावली के हिसाब से जमीन बांटें, नहीं तो कार्रवाई की जायेगी।

सूचना पाकर रविवार सुबह पाटन थाना प्रभारी गुलशन कुमार मौके पर पहुंचे और पोस्टर को जब्त कर लिया। गुलशन कुमार का कहना है कि किसी ने आपसी जमीन विवाद को लेकर दहशत फैलाने के लिए नक्सली के नाम का पोस्टर जारी किया है। नक्सली संगठन द्वारा यह पोस्टर जारी नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द मामले का खुलासा होगा।

मारवाड़ी युवा मंच ₹समर्पण शाखा₹ रांची द्वारा दिव्यांग जन खिलाड़ियों हौसला बढ़ाया

आज रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रहे पैरा सीटिंग वॉलीबॉल खिलाड़ियों को मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा की ओर से खेल को बढ़ावा देने के लिए वॉलीबॉल दिया गया । सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैरा ओलंपिक कमिटी से मान्यता प्राप्त कर पारा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड द्वारा विगत चार वर्षो से प्रत्येक रविवार को प्रैक्टिस करते हैंह्व इन खिलाड़ियों की दयनीय स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, इनमें खेलने का काबिलियत है लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ह्व यह सभी खिलाडी झारखंड का नाम रोशन कर रहे हैं इनका उज्जवल भविष्य हो और यह अपने राज्य और देश का नाम रोशन करें इसको ध्यान में रखकर समर्पण शाखा हमेशा इन खिलाड़ियों का मदद करती आई है इसी वजह से इन्होंने हमसे 18 खिलाड़ियों के लिए वॉलीबॉल की देकर उन्हें सम्मानित और मदद किया गया ।

तुष्टिकरण की राजनीति से राज्य का भला नहीं होगा : सुदेश महतो

लोहरदगा । पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति से न समाज का और ना ही राज्य का भला होगा। अधिकारियों को राज्य सरकार ने अपनी दायित्व से भटका दिया है। सरकार ने अधिकारियों और पुलिस के चरित्र को बदल कर रख दिया। आज किसी भी सरकारी कार्यालय में बिना चढ़वा चढ़ाए कोई काम नहीं होता। हर टेबल काम करने के लिए पैसे की मांग करता है। अगर आपके पास

पैसे हैं तो आपका काम जल्द से जल्द हो जाएगा लेकिन अगर पैसे नहीं हैं तो बस दफ्तर के चक्कर लगाते रहिए। इस भ्रष्टाचार के चलते आज आम गरीब आदमी पीस रहा है। पुलिस गुनहगारों को पकड़ने की जगह जनता से वसूली में लगी हुई है। इस कुशासन को सुशासन में बदलने के लिए हम सभी को परिवर्तन के लिए साथ आ कर काम करना होगा।

महतो लोहरदगा नगर भवन में आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कई सामाजिक कार्यकताओं ने पार्टी का दामन थामा।उन्होंने कहा कि लोहरदगा में विकास की असीम संभावनाएं हैं लेकिन राज्य के वित्त मंत्री का निर्वाचन क्षेत्र होने के बावजूद यह क्षेत्र अभी भी मुक्कमल विकास से दूर है। आंदोलनकारियों की यह धरती आज भी बिजली, पानी, सड़क जैसे मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। आदिवासियों के हित की बात करने वाली इस सरकार ने सिर्फ उन्हें छला है। जिसका जवाब लोहरदगा समेत पूरे राज्य की जनता 24 में इन्हें सत्ता से हटा कर देगी। जिस सरकार को अपराधियों को सजा दिलाने का काम करना चाहिए था वो सरकार अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रही है जिससे आज प्रदेश की जनता में भय का माहौल है।

नशीली दवाओं के साथ पकड़े गए युवक को जेल

गिरिडीह। नशीली दवाओं के गिरफ्त में गिरिडीह शहर सहित अर्द्ध शहरी एवं ग्रामीण इलाके आ रहे हैं।जिससे इस जानलेवा शौक के शिकार युवा पीढ़ी हो रहे हैं।जिसपर लगाम लगाने में क्षेत्रीय पुलिस नाकाम होती दिख रही है।

लेकिन नशीली दवाओं के बड़ी मात्रा में स्टॉक के साथ गिरफ्तार आरोपी शिवचरण कुमार को गिरिडीह मुफ्फसिल थाना पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया। रविवार को एसडीपीओ अनिल सिंह,ड्रग इंस्पेक्टर अरूप साहा और मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि अकेले सिर्फ शिवचरण ही नही है, जो नशीली दवाओ के काले कारोबार में शामिल है। बल्कि कई ओर लोग भी इस गौरखधंधे में शामिल है। बताया कि शनिवार को कमलजोर में स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से शिवचरण को स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान स्कूटी की डिक्की में नशीली दवाओं से भरे दस डिब्बे जब्त किए गए थे। जिसमें 2 हजार 472 कैप्सूल थे। जिसकी कीमत 5 हजार से अधिक है।

बताया कि कहा कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि शहर के इंदिरा कॉलोनी के अवैध दवा कारोबारी वीरेंद्र जायसवाल उर्फ बच्चू जायसवाल इस पूरे सिंडि-केट का मास्टर माइंड है,जो शिव चरण और मोहम्मद इफ्तिखार समेत कई युवाओं के जरिए ऐसे नशीली दवाओं के स्टॉक को डिमांड के अनुसार कहीं भी भेजा करता था।

बता दें कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कमलजोर में 9 सितंबर को आपत्तिजनक दवा के स्टॉक के साथ ग्रामीणों ने स्कूटी सवार उक्त युवक को पकड़कर गिरिडीह मुफ्फसिल पुलिस को सौंप दिया था। पुलिस ने संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर दवा की जांच कराई। ग्रामीणों ने शहर के चंदौरी रोड निवासी शिवचरण को 10 डिब्बे संदिग्ध दवा के साथ पक-ड़ा था।लोगों ने आरोप लगाया कि युवक के पास से मिली दवा का क्षेत्र के कुछ युवक नशा के रुप में प्रयोग करते हैं।मौके पर पहुंची पुलिस के अनुसार जब्त दवा प्लस 10 थी।लोगों ने बताया कि आरोपित शिवचरण पूर्व में कंप्यूटर उपकरण बेचने का धंधा किया करता था।साथ ही कमलजोर क्षेत्र में स्कूटी से घूम घूमकर आपत्तिजनक दवा बेचता था।युवक के पास मिली दवा पुलिस इस युवक से पूछताछ में जुट गई। इस संबंध में मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान द्वारा जब्त दवा की जांच के लिए गिरिडीह के औषधि निरीक्षक को बुलाया गया। जांच के बाद ही स्पष्ट हुआ कि जब्त दवा प्रतिबंधित की श्रेणी में आती है।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सांसद, जमशेदपुर विद्युत वरण महतो ने एग्री स्मार्ट विलेज का किया उद्घाटन

सांसद द्वारा किया गया पटमदा प्रखंड के खेडुआ ग्राम का एग्री स्मार्ट ग्राम योजना के रूप में चयन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ एग्री स्मार्ट ग्राम योजना की परिकल्पना राज्य सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना साबित हो रही है। माननीय लोकसभा एवं विधानसभा सदस्यों द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र के किसी एक गाँव को एग्री स्मार्ट विलेज के रूप में चयन किया गया है। पूर्वी सिंहभूम जिला में माननीय लोकसभा सदस्य, जमशेदपुर श्री विद्युत वरण महतो के द्वारा पटमदा प्रखण्ड के खेडुआ पंचायत के खेडुआ ग्राम का चयन एग्री स्मार्ट विलेज के रूप में किया गया है जिसका उद्घाटन दिनांक 09.09.2023 को माननीय लोकसभा सांसद द्वारा किया गया । समारोह का आयोजन खेडुआ हरि मंदिर प्रांगण में किया गया एवं एग्री स्मार्ट ग्राम योजना के तहत सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (Community Resource Person) का चयन ग्राम सभा के माध्यम से किया गया ।

- **क्या है एग्री स्मार्ट ग्राम योजना**

एग्री स्मार्ट ग्राम योजना की परिकल्पना माननीय सांसदों और विधायकों द्वारा अनुशंसित ग्रामों में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सफल रूप से चलाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली संस्थागत व्यवस्था सुनिश्चित कर कृषि विकास की चुनौतियों को दूर करने के लिए किया गया है। एग्री स्मार्ट ग्राम को विभाग अन्तर्गत संचालित सभी राज्य प्रायोजित एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाओं से आच्छादित किया जायेगा ।

कृषि, उद्यान, मत्स्य, गव्य, पशुपालन, भूमि संरक्षण, सहकारिता, आत्मा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषकोपयोगी गतिविधियों का अभिसरण कर चयनित ग्राम के किसानों को लाभान्वित किये जायेंगे।

- **जिला में कुल 5 एग्री स्मार्ट विलेज**

जमशेदपुर लोकसभा अन्तर्गत माननीय सांसद श्री विद्युत वरण महतो के द्वारा पटमदा प्रखण्ड अन्तर्गत खेडुआ पंचायत के खेडुआ गांव का चयन किया गया है, इसके अलावे पोटका विधानसभा के सदस्य श्री संजीब सरदार द्वारा डोमजुड़ी पंचायत का खुर्शी गांव, घाटशिला विधानसभा सदस्य श्री रामदास सोरेन के द्वारा मुसाबनी प्रखण्ड के गोहला पंचायत में देवली गांव, बहरागोड़ा विधानसभा सदस्य श्री समीर मोहन्ती के द्वारा चाकुलिया के जुगीतोपा पंचायत के मुड़ाठाकुरा गांव और जुगसलाई विधानसभा सदस्य श्री मंगल कालिन्दी के द्वारा बोड़ाम के पहाड़पुर ग्राम पंचायत का एग्री स्मार्ट ग्राम हेतु चयन किया गया है।

- **योजना का उद्देश्य**

कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास, आजीविका संवर्धन कृषि बैंकिंग और योजनाओं से संबंधित सेवाओं के माध्यम से त्वरित एवं समेकित विकास का कार्य इस योजना के माध्यम से होगा । ग्राम स्तर पर संस्थागत व्यवस्था के माध्यम से विभागीय योजनाओं की कृषकों के दरवाजे तक पहुँचाया जाएगा।कृषकों की सहभागिता से विभागीय कार्यक्रमों और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का लाभ हर घर के व्यक्ति को होगा।

कृषि, उद्यान, मत्स्य, गव्य, पशुपालन, भूमि संरक्षण, सहकारिता विभाग अन्तर्गत संचालित सभी राज्य योजनाओं एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की विभिन्न किसानोपयोगी गतिविधियों का गाँव स्तर पर पहुँच और कर्वजेंस कर सफल क्रियान्वन सुनिश्चित किया जाएगा।

- **योजना का संचालन हेतु टीम गठित**

योजना के संचालन के लिए एग्री स्मार्ट विलेज समिति, प्रखण्ड स्तरीय समन्वय समिति, जिला स्तरीय समन्वय समिति, राज्य स्तरीय समन्वय समिति गठित है जिनके मार्गदर्शन में चयनित ग्राम के सर्वांगीण विकास की गाथा लिखी जाएगी।

इस उद्घाटन कार्यक्रम में ग्रामवासी, पंचायत के मुखिया, जिला परिषद सदस्य, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, आत्मा कर्मी, एग्री क्लीनिक के कर्मी समेत अन्य उपस्थित हुए।

संक्षिप्त समाचार

साहेबगंज में मेरी माटी मेरा देश अभियान का हुआ आगाज

- **भाजपा कार्यक्रताओं ने घर-घर से एकत्र किए मिट्टी**

साहेबगंज । मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत घर-घर मिट्टी संग्रह विशेष अभियान 10 सितंबर को भाजपा कार्यक्रताओं द्वारा साहेबगंज ग्रामीण महादेवगंज वीर शहीद मुन्ना यादव के घर से मिट्टी संग्रह किया गया। उनकी पत्नी निताई देवी द्वारा अमृत कलश में मिट्टी डालकर कार्यक्रम की शुरूआत कि एवं सुप्रसिद्ध महादेवगंज ठाकुरबारी धार्मिक स्थल से भी मिट्टी संग्रह किया गया तत्पश्चात डिहारी स्थित वीर सहिद कुंदन कुमार ओझा पिता रवि शंकर ओझा ने अमृत कलश में घर से मिट्टी संग्रह किया गया इस अमृत कलश को प्रदेश मुख्यालय मुख्यालय में सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित कर दिल्ली भेजना है। वहीं जिला अध्यक्ष राम दरस यादव ने कहा कि अमृत कलश यात्रा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ''ान पर किया जा रहा है यह मिट्टी वीरों को नमन हेतु दिल्ली कर्तव्य पथ पर शहीदों के सम्मान में बने वाली कर्तव्य पथ पर अमृत वाटिका को समर्पित की जाएगी आज के कार्यक्रम के प्रवासी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य धर्मेंद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मौके पर साहेबगंज ग्रामीण के मंडल अध्यक्ष संजय कुमार मंडल, नगर उपाध्यक्ष रामानंद शाह, भाजपा जिला महामंत्री गौतम यादव, अमर जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

पशुओं में फैल रहा लंपी वायरस, पशु पालक परेशान

डुमरी। डुमरी प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों पशुओं में लंपी वायरस तेजी से फैल रहा है। इससे पशुपालक परेशान है।कई पशुओं की जान भी जा चुकी हैं।डुमरी पंचायत के विभिन्न गांवों में यह बीमारी जानवरों में फैल गई है। पंचायत के मुखिया शोभा जायसवाल ने उपायुक्त एवं पशुपालन विभाग से जानवरों में हो रहे लंपी वायरस के रोकथाम हेतु टीकाकरण शिविर लगाने की अपील की है।इस संबंध में डुमरी प्रखंड में बतौर बीएचओ के रूप में सेवा दे चुके डा समरजीत मंडल ने बताया कि यह एक संक्रामण रोग है इसलिए संक्रमित जानवरों को स्वस्थ पशुओं से अलग रखकर उन्हें एक जगह से दूसरे जगह नहीं जाने देना चाहिए।उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में पशुओं में यह रोग मच्छरों और मक्खी के काटने से होता है।संक्रमित पशु को बुखार आता है पूरे शरीर पर जगह-जगह गांठ उभर आती है, किसी पशु में इस बीमारी का लक्षण दिखे तो तत्काल पशु चिकित्सा विभाग को सूचित करना चाहिए।उन्होंने बताया कि लंपी वायरस से पीड़ित पशुओं को गिलोय,कच्ची हल्दी,चिरायता,नीम पत्ते का पेस्ट आदि लगायें साथ ही पशुओं के स्वस्थ होने तक उनका इस्तेमाल बोझा ढोने तथा दूध निकालने के लिए नहीं करें।

मनिफिट आदर्श नगर में नाला जाम और साफ-सफाई ना होने से बढ़ी लोगों की समस्या, नाला जाम होने से लोगों के घरों में घुसा गंदा पानी

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने क्षेत्र का किया दौरा, कहा- जल्द होगी युद्ध स्तर पर साफ-सफाई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर । जमशेदपुर के टेल्को क्षेत्र अंतर्गत मनिफिट आदर्श नगर समेत आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बदहाल है। पिछले दिनों बारिश होने से नालियां बजबजा रही हैं, जिससे नालियों का गंदा पानी लोगों के घर में आ गया है। वहीं, बदबू एवं जाम नालों के कारण यहां रहने वाले लोग कई परेशानियों का सामना करने को मजबूर हैं। जाम नालियां और फैली गंदगी से लोगों में मच्छरजनित संक्रामक रोगों की चपेट में आने का खतरा बढ़ गया है। लोगों को हो रहे समस्या के मद्देनजर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रविवार को आदर्श नगर

क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान लोगों ने बताया कि पिछले तीन सालों से नाले की सफाई नही होने के कारण नाले गंदगी से पटी हुई है। बारिश के कारण नाले का गंदा पानी लोगों के घरों में आ गया है। जिससे घर में रखे कई सामान खराब हो गए हैं। बारिश का पानी कम होने के बाद मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ा हुआ है। जिसपर शासन- प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। लोगों ने बताया कि जिम्मेदार इस समस्या पर गंभीर नहीं हैं और मौन साधे बैठे हैं। क्षेत्र में बजबजाती नाली के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ा हुआ है और लोगों के रात की नींद हराम हो गई है। फैल रही गंदगी और नालों की सफाई ना होने व मच्छरों के प्रकोप के चलते मच्छरजनित बीमारियों का भय बना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इसपर सम्बंधित अधिकारियों से बात कर इसके निदान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जल्द ही क्षेत्र में युद्ध स्तर पर साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ होगा।

इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री राकेश सिंह, मनोज श्रीवास्तव, श्रीनिवास सिंह, राकेश रंजन, शशि कुमार, बच्चा दुबे, रवि यादव, ममता देवी, रघुवीर मिश्रा, जनार्दन पासवान, असीम सिंह समेत काफी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच एवं पसमांदा मुस्लिम महाज का संयुक्त रूप से धर्मशाला पाटोदिया में किया गया सम्मेलन

पूर्व कृषि मंत्री सह सारठ विधायक रणधीर कुमार सिंह ने किया शिरकत, बोले पसमांदा मुस्लिम के साथ खड़ा हूं !

जामताड़ा /झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा : मुस्लिम राष्ट्रीय मंच व ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज द्वारा रविवार को दुमका रोड स्थित धर्मशाला पाटोदिया में सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वरिष्ठ अतिथि के रूप में पूर्व कृषि मंत्री सह सारठ विधायक रणधीर कुमार सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान मुस्लिम राष्ट्रीय मंच एवं पसमांदा नेताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उलेमा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मौलाना अब्दुर रकीब अंसारी द्वारा किया गया। उक्त मौके पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच महिला प्रकोष्ठ के सह संयोजीका फरहाना खातून ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा बताया कि मुसलमानों मे देशभक्ति पैदा करने के लक्ष्य से सम्मेलन का आयोजन किया गया है। अधिक से अधिक मुस्लिम महिलाओं को जागरुक कर उन्हें राष्ट्रीय के प्रति प्रेम सद्भावना एवं आकर्षित करने के लक्ष्य से पूरे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किए जाएंगे। मुख्य वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व कृषि मंत्री सह विधायक रणधीर कुमार सिंह ने मौजूद अवाम से कहा मुसलमान इस देश के धरती पुत्र हैं कहीं बाहर से नहीं आए हैं। मुसलमान ने अंग्रेजों को भगाया क्या मुसलमान देश की तरक्की में नरेंद्र मोदी को साथ नहीं दे सकते राष्ट्रीय को मजबूत करने के लिए मुसलमान हर समय कुर्बानी देने के लिए तैयार रहते हैं। 70 वर्षों से मुसलमान को अन्य पार्टियों ने वोट लेकर हाशिया पर खड़ा करने का काम किया है। वजीर ए आज़म अटल बिहारी वाजपेई ने एपीजे अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाया भाजपा केंद्रीय कमेटी ने दो पसमांदा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ही लक्ष्य है सबका साथ सबका विकास पसमांदा मुसलमानों के विकास किए बगैर राष्ट्रीय का विकास संभव है। उन्होंने सम्मेलन के संचालन कर्ता मौलाना रकीब की तारीफ करते हुए बोले कि देश की आजादी मिलने के बाद जो असली मुसलमान थे वह भारत में रह गए मुसल्लम ईमान वालों ने मुल्क के बंटवारे का विरोध किया और भारत में रहना पसंद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पसमांदा को जोड़ने के लिए हाथ बढ़ाया है मैं यही कहूंगा कि पसमांदा मुस्लिम समाज के लिए बहुत अच्छा मौका है मोदी जी का हाथ पकड़िए 70 वर्षों में पसमांदा मुस्लिम समाज का विकास नहीं हो पाया है कब विकास होगा। उक्त मौके पर पसमांदा नेताओं ने विधायक जी से हेमंत सरकार की शिकायत करते हुए कहा की वोट पसमांदाओं का लिया और विकास से पसमांदा को वंचित रखा पसमांदाओं ने हेमंत सरकार पर क्रोध जताते हुए कहा 2024 के लोकसभा में केंद्र में मोदी सरकार और प्रदेश में बीजेपी सरकार बनना तय है डबल इंजन की सरकार होगी। वहीं अन्य वक्ताओं ने भी सम्मेलन को संबंधित किया। इस मौके पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उलेमा प्रकोष्ठ के सह संयोजक मौलाना जियाउल हक अशरफी, ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ कलीम अंसारी, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के सहसंयोजक एनुल हुदा, जहूर आलम, इरफान अंसारी, फिरोज अंसारी, शमीम, अंसारी मौलाना शमीम अख्तर, डॉ सिराज अंसारी, अब्दुल रज्जाक अंसारी, रहीम अंसारी मकरुद्दीन अंसारी, कुटु मियां, मौलाना इमरान अंसारी आदि काफी संख्या में मुस्लिम समाज के उलेमा एवं आवाम कार्यक्रम में शरीफ हुए।

दस दिवसीय योग शिविर का हुआ समापन

डुमरी। प्रखंड के बलथरिया पंचायत में आयुष मंत्रालय झारखंड एवं ओम साईं खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय योग शिविर का समापन रविवार को हुआ।शिविर में दर्जनों ग्रामीणों ने योगाभ्यास किया।योग प्रशिक्षक पंकज कुमार ठाकुर एवं रिंकी देवी ने ग्रामीणों को योग के फायदे बताते हुए योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास करवाया।प्रशिक्षकों ने कहा कि योग से हम निरोग एवं स्वस्थ रह सकते हैं।इस दौरान हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नगरी के आयुष डॉ मनोज कुमार महतो ने भी ग्रामीणों को योग करने की सलाह दी।योग शिविर को सफल बनाने में सुनील साव,आशीष साव आदि दर्जनों लोगों का सहयोग रहा।जबकि शिविर में लगातार उपस्थित होकर योग करने वालों में नीतू कुमारी,मिथुन साव, सुभाष साव,पिंकी कुमारी,काजल कुमारी,छबिया देवी, खुशी कुमारी,सुमन कुमारी,गौरी कुमारी,राजकुमार, दीपक साव आदि दर्जनों महिला पुरुष शामिल हैं।

आजसू नेता को भ्राता शोक,शोक व्यक्त

डुमरी। डुमरी प्रखंड के खांकी में आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता सीताराम यादव के मंझले भाई हेमलाल यादव के आकस्मिक निधन की खबर पाकर उनके अंतिम दर्शन करने हेतु आजसू डुमरी विधानसभा प्रभारी सह डुमरी उपचुनाव में दूसरे स्थान पर रही यशोदा देवी रविवार को शोक संतप्त परिवार से मिल सांत्वना दी साथ ही शव में भी शामिल हुई।इस दौरान अनुमंडल सांसद प्रतिनिधि छक्कन महतो,डालेश्वर गोप पंसस शम्भुनाथ महतो,पप्पू महतो आदि उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित विधायक को रसोईया संघ ने दी बधाई

डुमरी। डुमरी विधानसभा उपचुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करने वाली आइएनडीआइए गठबंधन समर्थित झामुमो उम्मीदवार बेबी देवी को गिरिडीह जिला रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ ने बधाई दी है,इस संबंध में संघ के जिला प्रभारी कैलाश गिरी एवं जिलाध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने संयुक्त रूप से रविवार को एक प्रेस बयान जारी करके कहा है कि उपचुनाव में संघ से जुड़े सदस्यों ने अपना अपना वोट रूपी समर्थन देकर बेबी देवी की जीत में सहभागी बने।कहा है कि नवनिर्वाचित विधायक सह मंत्री बेबी देवी संघ से जुड़े लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगी,ऐसी आशा है।जीत की बधाई देने वालों में कैलाश गिरी,पूजा अग्रवाल नावाडीह प्रखंड अध्यक्ष सोनी देवी चन्द्रपुरा प्रखंड अध्यक्ष हेमंती देवी,सोनी देवी,संजू देवी,प्रमिला देवी,कल्याणी देवी,बोबी देबी,भुनिया देवी,पार्वती देवी, भानू देवी,लीलावती देवी,रेखा देवी,शांति देवी,शकुंतला देवी,सुनीता देवी,कुंती देवी,गौरी देवी आदि शामिल हैं।

उद्यान विभाग द्वारा केला G-9 प्रभेद व आम के पौधों का किया वितरण

साहेबगंज । वित्तीय वर्ष 23 -24 उद्यान विकास योजना एवं राज्य बागवानी मिशन योजना अंतर्गत जेएसएलपीएस, आईटीसी के द्वारा चयनित 07 प्रखंडों बरहेट, बोरियो, मडरो, तालझारी राजमहल, पतना, बरहरवा के 247 लाभुकों के बीच रविवार को आम के पौधों का वितरण किया गया। इसके साथ ही आठ प्रखंडों में 216 लाभुकों के बीच केले के पौधों का वितरण भी किया गया। वहीं चयनित लाभुक किसानों के बीच आम एवं केले के वितरण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी को बढ़ावा देना है इन पौधों से किसान फलों की खेती के लिए भी प्रेरित होंगे। मौके पर बरहेट उपप्रमुख रूपक शाह, पंचायत समिति सदस्य अजय कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी प्रेम पासवान, सब्जी प्रसार कार्यकर्ता, बागवानी मित्र बाबूजी सोरेन, राजेंद्र शाह, सखी मंडल के सदस्य, ग्रामीण किसान तथा बीआरपी लाइवलीहुड एवं अन्य उपस्थित थे।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने धातकीडीह में खुदरा मछली बाजार का किया उद्घाटन

जमशेदपुर। धातकीडीह, जमशेदपुर में मंत्री स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, परिवार कल्याण एवं आपदा प्रबंधन विभाग बन्ना गुप्ता द्वारा 20 स्टॉल वाले खुदरा मछली बाजार का उद्घाटन किया गया। इस बाजार का निर्माण केंद्र प्रायोजित योजना ब्लू रिवॉल्यूशन के अंतर्गत लगभग दो करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी श्री मिथिलेश कालिंदी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रोहित कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुरेंद्र कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी श्रीमती अलका पन्ना उपस्थित थे।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार विभिन्न विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी वर्गों के सामाजिक, आर्थिक दिशा में प्रगति को लेकर कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा । जिला प्रशासन द्वारा पूरी निष्ठा से कार्य करते हुए खुदरा मछली बाजार को क्रियान्वित अवस्था में लाने पर उन्होंने जिला प्रशासन का धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि यह बाजार लोगों को हाइजीनिक कंडीशन में ताजा मछली उपलब्ध कराएगा। साथ ही कहा कि खुदरा मछली बाजार के स्थल को स्वच्छ रखना सभी आवंटितों की भी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मत्स्य प्रसार पदाधिकारी श्री अमरेंद्र कुमार वर्मा तथा श्री स्वप्न कुमार, श्री प्रधान चंद महतो, श्री नमिता मोहंती, श्री यादुनाथ सोरेन और श्री रविलाल भुईयां सभी मत्स्य मित्र को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

झारखंड राज्य मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा परिसंपत्ति वितरण में गुवा व आसपास क्षेत्र के मुंडा एवं मानकी को वंचित रखना अत्यंत दुखद : मुंडा विक्रम चॉपिया

सिंहभूम /झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गुवा गोली कांड में शहीद हुए शहीदों को श्रद्धांजलि देने एवं योजनाओं व कार्यक्रमों उद्घाटन सह शिलान्यास के साथ साथ परिसंपत्ति वितरण के लिए झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गुवा क्षेत्र में आने को ले बोकना गाँव के ग्रामीणो ने एक बैठक के तहत हर्ष व्यक्त किया है । बैठक की अध्यक्षता कर रहे इस संदर्भ में बोकना गांव के मुंडा विक्रम चापिया ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा आदिवासियों के उत्थान हेतु उनकी समस्याओं का हल करना एवं समाज में उन्हें आगे ले जाने हेतु किया गया कारगर प्रयास सदैव सराहनीय एव यादगार रहेगा । साथ ही साथ उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आडे हाथों लेते हुए कहा की कार्यक्रम में परिसंपत्ति वितरण

में गुवा व आसपास क्षेत्र के मुंडा एवं मानकी को वंचित रखना अत्यंत दुखद है । मोटर साईकिल वितरण सिर्फ चाईबासा क्षेत्र में किया गया । जबकि गुवा, नुईया, गांगदा व अन्य आस पास के गाँवो को भी इसमें शामिल करना चाहिए था ।

झारखंड सरकार मानकी एवं मुंडा को अपने राज्य विकास का हिस्सा मानती है तो उनके द्वारा पंचायत स्तर के विभिन्न मानकी -मुंडा को भी सम्मानित किया जाना चाहिए था । सिर्फ चाईबासा क्षेत्र के मंकी एवं मुंडा को सम्मानित किया जाना इस बात का संकेत है कि झारखण्ड सरकार पिछड़े एवं सुदूर सारंडा के वन क्षेत्र में रहने व निरंतर क्षेत्र के विकास के लिए कार्यरत मानकी मुंडा को उपेक्षा का पात्र समझ रही है । उक्त तथ्यो से संवेदित बोकना गांव के मुंडा विक्रम चांपिया ने कहा कि

गुवा गोलीकांड उस आंदोलन की याद दिलाता है जो जल, जंगल, जमीन को बचाने हेतु किया गया था ।गुवा का गोलीकांड झारखंड अलग राज्य अर्थात झारखंड आंदोलन, वनों पर वनवासियों का अधिकार व गुवा खदान से निकलने वाली लाल पानी से प्रभावित व बंजर हो रही खेतों को नुकसान पहुंचाने से रोकने आदि मांगों से जुड़ी हुई है। गुवा गोलीकांड में दर्जनों आदिवासी आंदोलनकारी शहीद और दर्जनों घायल हुये थे ।उल्लेखनीय है कि वर्ष 1980 के दशक में झारखंड आंदोलन के नाम पर राज्य के अन्य जिलों से आए ग्रामीणों द्वारा भारी पैमाने पर सारंडा के जंगलों की कटाई कर मैदान बना, उस वन भूमि पर कब्जा करने का कार्य चल रहा था । इसके खिलाफ गुवा वन विभाग ने कार्रवाई करते हुये इस अभियान में शामिल लोगों समेत कुछ निर्दोषों को भी पकड़ कर जेल भेजना प्रारंभ कर दिया गया था।

हालांकि उस समय झारखंड अलग राज्य को लेकर पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन चल रहा था ।उसी समय यह कार्य भी सारंडा में झारखंड आंदोलन के नाम पर जारी था ।इसके खिलाफ वन विभाग की यह कार्रवाई ने आग में घी डाल दी। परिणाम स्वरूप गुवा गोली काण्ड 8 सितम्बर 1980 को को घटी थी एवं यहझारखंड राज्यके निर्माण का टर्निंग पॉइंट था ।परिणाम स्वरूप आंदोलनकारियो का मेहनत रंग लाया एवं झारखंड-बिहार राज्य से अलग हो एक नया झारखंड राज्य के रूप में परिवर्तित हुआ ।आयोजित उक्त बैठक में बोकना गांव के ग्रामीणों में मुख्य रूप से ब्रज किशोर मिश्रा,कृष्ण चांपिया, संतोष चाँपिय, मन्ना पूर्ति मंगरु पूर्ति, साव पूर्ति, दौंगों चॉपिया, सरस्वती चांपिया, बुधराम टोपनो, नागी चॉपिमा, व अन्य दर्जनों शामिल दिखे ।

भारत का महत्व बढ़ाने वाला आयोजन, पीएम मोदी ने किया सिद्ध वह विश्व को दिशा देने में सक्षम

जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले जो अनेक बैठकें हुईं उनसे भारत विश्व को अपनी सांस्कृतिक विरासत और विविधता से परिचित कराने में सफल रहा। इस आयोजन के लिए दिल्ली का जो कायाकल्प हुआ वह भी चमत्कृत करने वाला है। जी-20 शिखर सम्मेलन जिस स्थल यानी भारत मंडपम में हो रहा है वहां भी भारत की सांस्कृतिक छटा का भव्य प्रदर्शन हो रहा है।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन के रूप में सबसे बड़ा कूटनीतिक आयोजन अपने अंतिम चरण में है। इस भव्य आयोजन के चलते समस्त विश्व की नजर भारत की ओर है। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता हासिल करने के बाद जिस तरह देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक विषयों पर तमाम बैठकें आयोजित कीं, उनसे यही प्रकट हुआ कि वह सबको साथ लेकर वैश्विक समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसीलिए उसने जी-20 शिखर सम्मेलन की थीम ''वसुधैव कुटुंबकम'' रखी और ''एक पृथ्वी, एक कुटुंब, एक भविष्य'' को आदर्श वाक्य बनाया। इसके माध्यम से उसने यही संदेश दिया कि वह विश्व कल्याण के लिए तत्पर है।

जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले जो अनेक बैठकें हुईं, उनसे भारत विश्व को अपनी सांस्कृतिक विरासत और विविधता से परिचित कराने में सफल रहा। इस आयोजन के लिए दिल्ली का जो कायाकल्प हुआ, वह भी चमत्कृत करने वाला है। जी-20 शिखर सम्मेलन जिस स्थल यानी भारत मंडपम में हो रहा है, वहां भी भारत की सांस्कृतिक छटा का भव्य प्रदर्शन हो रहा है।

उल्लेखनीय यह भी रहा कि देश ने जी-20 शिखर सम्मेलन में स्वयं को भारत के रूप में प्रस्तुत किया, न कि इंडिया के रूप में। न केवल राष्ट्रपति के निमंत्रण पत्र में भारत शब्द का उपयोग हुआ, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के सामने रखी पट्टिका में भी। इससे दुनिया को यही बताया गया कि इस देश की सांस्कृतिक पहचान भारत के रूप में भी है और वह एक प्राचीन एवं समृद्ध विरासत का प्रतिनिधि है। विपक्ष ने इस मामले में नुक्ताचीनी कर अपनी मुश्किल बढ़ाने का ही काम किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन में इस समूह के सभी देशों के नेताओं के अतिरिक्त एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रमुख भी हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने इस सम्मेलन में नौ मित्र देशों को मेहमान के रूप में आमंत्रित किया है। भारत ने अफ्रीकी यूनियन को इस समूह का सदस्य बनाने की जो पहल की, वह सफल रही। अफ्रीकी देशों के इस संगठन को जी-20 का सदस्य बनाने में भारत को जो सफलता मिली, उससे वह अंतरराष्ट्रीय मामलों में इन देशों का समर्थन हासिल करने और वहां अपना प्रभाव बढ़ाने में सफल होगा। यह बड़ी बात है कि भारत जी-20 को जी-21 का रूप देने में समर्थ रहा। भारत ने ग्लोबल साउथ यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के हितों का भी ध्यान रखने का मुद्दा उठाकर यह स्पष्ट किया कि वह वैश्विक व्यवस्था में सभी के हितों की रक्षा का हामी है।

जी 20 की स्थापना 1999 में की गई थी। विकसित और प्रमुख विकासशील देश इस संगठन का हिस्सा बने। इसमें 19 देश हैं और 20वें सदस्य के रूप में यूरोपीय यूनियन है। प्रारंभ में इस संगठन का उद्देश्य विश्व में आर्थिक-वित्तीय स्थिरता स्थापित करना था। धीरे-धीरे उसके उद्देश्यों में जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य जैसे विषय शामिल होते गए। भारत की इस संगठन में महत्ता तबसे बढ़नी शुरू हुई, जबसे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। हाल के वर्षों में जी-20 के जो शिखर सम्मेलन हुए, उनमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में इसलिए सफल रहा, क्योंकि उसने निर्धनता निवारण का बड़ा काम करने के साथ डिजिटल क्रांति को एक नया आयाम दिया।

आज भारत में जिस बड़े पैमाने पर डिजिटल लेन-देन हो रहा है, उससे उन्नत देश भी चकित हैं। भारत की डिजिटल क्रांति की प्रशंसा विश्व बैंक सरीखी संस्थाएं भी कर चुकी हैं। भारत ने वित्तीय समावेशन का जो उदाहरण पेश किया, वह भी विश्व के लिए अनुकरणीय है।

मार्ग-दर्शन

आत्मिक सौंदर्य में ही मन का सुख

मध्य प्रांत में किसी समय एक राजा राज्य करता था। वह दरबार में आने वाले आगंतुकों से अपनी राजसभा की कोई कमी बताने का आग्रह करता। हालांकि किसी ने कभी कोई कमी नहीं बताई। एक दिन किसी अन्य राज्य का चारण वहां आया। राजा ने उससे भी वही प्रश्न पूछा। चारण ने राजसभा पर एक सूक्ष्म निगाह डाली और कहा, 'आपकी राजसभा अत्यंत सुंदर है, किंतु इसमें एक चित्रशाला की कमी है।' राजा ने तत्काल अपने कारीगरों को चित्रशाला बनाने का आदेश दिया। दक्ष कारीगरों ने जल्दी ही एक मनमोहक चित्रशाला तैयार कर दी। चित्रशाला के उद्घाटन समारोह के लिए स्थापित इंद्रध्वज ने चित्रशाला के सौंदर्य को द्विगुणित कर दिया। समारोह के बाद साज-सज्जा की सारी सामग्री भंगार में डाल दी गई। चित्रशाला की शोभा बढ़ाने वाली सामग्री धूल-मिट्टी पड़ने से असुंदर हो गई। एक दिन राजा की दृष्टि उस पर पड़ी। उनका भद्दा स्वरूप देखकर राजा ने चिंतन किया कि संसार में भीतरी सुंदरता कुछ नहीं है। उसकी सुंदरता दूसरी वस्तुओं पर आश्रित है। सारी चमक- दमक उधार की है। फिर ऐसी सुंदरता को जुटाने से क्या फायदा? मुझे वह सौंदर्य खोजना चाहिए जो अपना हो और वह तो अपने भीतर ही मिलेगा। वस्तुत: मुझे आत्मलीन होकर वास्तविक सौंदर्य को प्राप्त करना चाहिए। ऐसा विचार निश्चित कर राजा ने राजसुख त्याग दिया और आत्मसाधना के मार्ग पर चल पड़ा। उसने कड़ी तपस्या की और आत्मज्ञान पाया। सच्चा सौंदर्य आत्मिक होता है और वही स्थायी भी होता है। भौतिक सौंदर्य इंद्रिय सुख अवश्य देता है, किंतु मन का सुख आत्मिक सौंदर्य में ही बसता है।

जीने की राह

परिवार एकजुट तो कुलदेवता प्रसन्न

हर वंश, परिवार में एक कुल देवता होते हैं। पुरानी पीढ़ियों ने तो कुलदेवताओं को बड़ा मान दिया है। नए बच्चे इसे न समझ पाएं, लेकिन परिवार का मतलब तो युगों-युगों से एक-सा ही रहेगा। भले ही परिवार बड़े हो जाएं या छोटे, टूटने नहीं देना है। हम घर में किसी न किसी परमशक्ति को पूजते हैं। उसका शृंगार भी करते हैं। सात बातों से कुलदेवता का शृंगार करें। पहला, शिक्षा से क्योंकि अब अशिक्षित परिवार धरती पर बोझ ही माने जाएंगे। न सिर्फ शिक्षित रहें, बल्कि एक वैज्ञानिक दृष्टि भी विकसित करें। दूसरी बात, स्वास्थ्य के मामले में प्रत्येक सदस्य जागरूक रहे। एक सदस्य भी बीमार हो जाए तो समूचे परिवार पर असर पड़ता है। तीसरी बात, परिवार का प्रत्येक सदस्य व्यसन मुक्त हो। घर से बाहर निकलते ही बुराइयां कालीन बिछाए खड़ी हैं। कब कौन सा सदस्य लपेटे में आ जाए, पता नहीं लगता। चौथी बात, परिवार में हर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस करे। इसके लिए अपनापन जरूरी है। पांचवीं बात, कुलदेवता चाहते हैं कि हर सदस्य स्वतंत्र भी हो। जीवन किसी पर थोपा न जाए। छठी बात, परिवार को संगठित रखने के लिए कोई कसर न छोड़ी जाए। कुलदेवता बिखराव पसंद नहीं करते और सातवीं बात, परिणाम प्रेमपूर्ण हों। जब परिवार के कुलदेवता को इन बातों से शृंगारित किया जाता है, तो वे प्रत्येक सदस्य को ऐसा फल देते हैं, जिसके बीज आने वाली पीढ़ियों में उतरते हैं और वह वंश सदियों तक अपनी गरिमा के लिए पहचाना जाता है।

क्या फेल हो गया कोटा मॉडल, कैसे सुधरें हालात

अरस्तू ने कहा है ना, 'जिन्होंने मनुष्य पर शासन करने की कला का अध्ययन किया है, उन्हें यह विश्वास हो गया है कि युवकों की शिक्षा पर ही राज्य का भाग्य आधारित है।' यह सच भी है, लेकिन यदि राज्य के भाग्य निर्माण की प्रक्रिया में युवा हारने लगे तो हमें मान लेना चाहिए कि सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाएं अपना काम सही ढंग से नहीं कर रही हैं। देश में करियर बनाने की राह पर निकले युवाओं की आत्महत्या के विचलित करने वाले मामले इस उक्ति और उसकी इस व्याख्या को खास बना देती है। बीती 28 अगस्त को राजस्थान के कोटा शहर में 4 घंटे के भीतर जेईई/नीट की तैयारी कर रहे दो बच्चों ने आत्महत्या कर ली। यह कोई विरला मामला नहीं है बल्कि अगस्त माह में कुल 6 या 7 बच्चे और जनवरी से लेकर अब तक 24 बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं।

इस आलेख की तैयारी के क्रम में मैंने एक ऐसी लड़की से बात की, जो स्वयं कोटा में रहकर तैयारी कर चुकी है। उसका कहना था कि इन घटनाओं का कारण है 'कोटा मॉडल' का फेल होना। 'कोटा मॉडल' का मतलब उस एजुकेशन इंडस्ट्री से है, जहां स्टूडेंट को एक ही जगह पर सब कुछ उपलब्ध हो जाए यानी बेस्ट एक्सपर्ट्स, बेस्ट स्टडी मटीरियल, बेस्ट लाइब्रेरीज, बेस्ट करियर काउंसलर, बेस्ट साइको एक्सपर्ट (मनोचिकित्सक), पर्सनल इंटरैक्शन सिस्टम और बेहतर वातावरण आदि। लेकिन हकीकत यह है कि आज वहां ना बेहतर मैनेजमेंट है, ना बेहतर काउंसलिंग और न ही मनोचिकित्सक जैसी सुविधाएं। सब कुछ लक पर निर्भर है। यानी लक अच्छा हुआ तो एक्सपर्ट अच्छा मिलेगा, स्टडी मटीरियल अच्छा मिलेगा, नहीं तो आप दोनों से ही वंचित रह जाएंगे।

-यही स्टूडेंट पर प्रेशर बनाती है। धीरे-धीरे प्रेशर बढ़ता जाता है और जब यह उस हद तक पहुंच जाता है जहां किसी युवा को संभावनाएं शून्य लगने लगती हैं, तो वह अपनी जिंदगी समाप्त कर लेता है।

-खास बात यह कि ऐसा अक्सर मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे के साथ अधिक होता है क्योंकि उसके पास अन्य विकल्प नहीं होते सिवाय इसके कि किसी भी तरह से सिलेक्शन हो। अमीर घरों के बच्चों के पास बहुत से विकल्प और अवसर होते हैं।

यह सच भी है, लेकिन यदि राज्य के भाग्य निर्माण की प्रक्रिया में युवा हारने लगे तो हमें मान लेना चाहिए कि सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाएं अपना काम सही ढंग से नहीं कर रही हैं। देश में करियर बनाने की राह पर निकले युवाओं की आत्महत्या के विचलित करने वाले मामले इस उक्ति और उसकी इस व्याख्या को खास बना देती है। बीती 28 अगस्त को राजस्थान के कोटा शहर में 4 घंटे के भीतर जेईई/नीट की तैयारी कर रहे दो बच्चों ने आत्महत्या कर ली।

-एक बात यह भी है कि मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चों पर अभिभावक यह अपेक्षा थोप चुके होते हैं कि उसके कोटा में एडमिशन पाने के बाद उनके सारे कष्ट दूर होने का द्वार खुल जाएगा।

-इस सपने को बुनते समय पैरेंट्स कभी यह नहीं देखते कि उनके बच्चे का 'पैशन' क्या है और उसमें पोटेंशियल कितनी है। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता कि हर जगह पैरेंट्स ही गलत होते हैं। लेकिन उन्हें वास्तविकता की तरफ मुड़कर देखने की जरूरत तो है। पैरेंट्स की इच्छाओं और उनकी अपेक्षाओं से संचालित अधिकांश छात्रों की अपेक्षाएं बड़ी होती हैं। यदि वे इंटरनल टेस्ट में अपेक्षा के मुताबिक नंबर नहीं ला पाते तो उन्हें लगने लगता है कि जिंदगी की लड़ाई में वे हार रहे हैं। यही टेंडेंसी उन्हें खुदकुशी के प्रयासों तक ले जाती है।

दरअसल, मिडल क्लास या लोअर मिडल क्लास फैमिली से आने वाला छात्र अपने माता-पिता के सपनों को साकार करना चाहता है, लेकिन वह सफलता सुनिश्चित करने की स्थिति में नहीं होता। ऐसे में हर इंटरनल टेस्ट के नंबर और ग्रेडिंग की हर लिस्ट उस पर प्रेशर बढ़ाने लगती है।

दरअसल, कोचिंग सिस्टम ने अपना एक अलग ही करिकुलम बना रखा है जो हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति से काफी दूर है।

-9वीं क्लास से ही कोचिंग सिस्टम आईआईटी और नीट के लिए कोर्सेज शुरू कर देते हैं।

-बच्चों के करियर को लेकर चिंतित ज्यादातर माता-पिता बच्चे का भविष्य सुनिश्चित करने की ख्वाहिश में अपने बच्चे एक तरह से उन संस्थाओं के हवाले कर देते हैं।

-यहां बच्चों के लिए 'माय टाइम' कोई सब्जेक्ट नहीं रह जाता है। वह कोचिंग टाइम, स्कूल टाइम, होमवर्क टाइम, टेस्ट टाइम, प्रैक्टिस टाइम में बंट जाता है।

कुल मिलाकर बच्चे के लिए 'माय लाइफ' के ऑब्जेक्टिव के स्थान पर 'देयर एक्सपेक्टशंस' का आना खतरनाक साबित होता है। इसके लिए पैरेंट्स के साथ राज्य सरकारों को भी संवेदनशील होने की जरूरत है। इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश ने एक बेहतरीन मिसाल पेश की।

-कोरोना काल में उत्तर प्रदेश के बहुत से बच्चे कोटा में फंसे हुए थे।

-उत्तर प्रदेश सरकार ने न केवल उन बच्चों को कोटा से उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की बल्कि वे फिर ऐसे संकट में न फंस जाएं, इसके लिए अभ्युदय कोचिंग की स्थापना की। इस तरह से मंडल स्तर पर बच्चों को बेहतरीन एक्सपर्ट मुहैया कराए गए।

-यहां विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी कराई जाती है। खास बात यह कि इन अभ्युदय कोचिंग संस्थानों के नतीजे निजी क्षेत्र के संस्थानों के मुकाबले कहीं बेहतर आ रहे हैं।

चंद्रयान और आईआईटी

बहरहाल, विचार योग्य तथ्य यह है कि इसरो की चंद्रयान-3 टीम में आईआईटी का एक भी ग्रेजुएट नहीं था। फिर भी युवाओं के दिमाग में यदि यह भरा जा रहा है कि आईआईटियन नहीं तो फ्यूचर नहीं। इसी कॉन्सेप्ट को लेकर देश भर के करीब चार से पांच लाख युवा कोटा शहर में अपने दिमागों को पन्नों पर घिस रहे हैं तो इसका निर्णय लेने वाले लोग कितने सही हैं और कितने गलत यह आपको विचार करना है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि लाइफ न ही रेस है और न सपना। यह एक हकीकत है जिसमें परफेक्शन नहीं, संतुष्टि जरूरी है।

इतनी भी क्या खुदगर्ज़ी

पिछले दिनों दिल्ली में एक डिजिटल चैनल के युवा पत्रकार ने खुदकुशी कर ली। वैसे तो हर आत्महत्या झकझोर देती है, लेकिन इसमें जो बेहद दुखद पहलू सामने आया, वह यह कि यह पत्रकार सोशल मीडिया माध्यमों से बार-बार इशारा कर रहा था कि वह गहरे डिप्रेशन में है। उसने एक पोस्ट में लिखा था, काश मैं किसी को बता पाता कि मुझे बाहर से किसी के आ जाने का डर नहीं है, बल्कि मुझे तो इस बात की फिक्र है कि किसी रोज कोई जुगनू सीढ़ियों का रास्ता नहीं पकड़ पाया और बेचैनी में खिड़की के रास्ते अंदर से बाहर की तरफ कूद गया तो क्या होगा? इन इशारों के बावजूद उसे किसी ने नहीं संभाला। आखिर रेत की मानिंद एक जिंदगी हाथ से फिसल गई।

उसके बाद बार-बार ये खयाल आया कि उसकी फ्रेंडलिस्ट में न जाने कितने लोग थे, लेकिन फिर भी वह इतना अकेला कैसे हो गया? क्या ऐसी फ्रेंडलिस्ट के कोई मायने हैं? क्या वाकई हमारे दोस्तों की संख्या हजार दो हजार है, जैसा कि हमारी फ्रेंडलिस्ट सजेस्ट कर रही है? या इस सोशल मीडिया के दौर ने

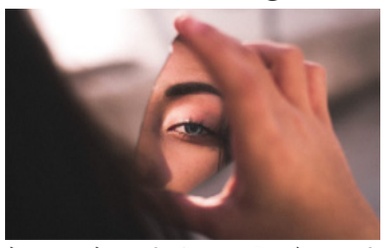

फ्रेंड शब्द के मायने ही बदल दिए हैं। खुद से एक सवाल करिए। आपके वाकई कितने दोस्त हैं? और आप वाकई कितनों के दोस्त हैं? जवाब आपको मिल जाएगा।

असलियत तो ये है कि हमारी फोनबुक में कॉन्टैक्ट्स की संख्या बेशक कितनी भी बढ़ गई हो, पर हमने सही मायने में बात करना बंद कर दिया है। वक्त ही नहीं है हमारे पास। न अपने लिए, और न दूसरों के लिए। हमारे किसी अपने के अंदर कोई गुबार भरा हो तो हम उसे सुनने के बजाय भागने लगते हैं। ऐसे ही जब हमारे अंदर कोई गुबार भरता है, तो हम किसी को ढूंढ नहीं पाते। तब सब हमसे भागते नजर आते हैं। हमने तकनीकी तरक्की तो कर ली है, लेकिन इंसानी तरक्की अब भी हमसे कोसों दूर है। डब्ल्यूएचओ कहता है कि दुनियाभर में हर साल 8 लाख से ज्यादा लोग खुद की जान ले लेते हैं। 2021 में अकेले भारत में 1.64 लाख लोगों ने आत्महत्या कर ली। इनमें सबसे ज्यादा 15 से 25 साल के हैं। उसके बाद 30 से 44 साल के। 15 से 29 साल वाले वर्ग में तो आत्महत्या ही मौत का चौथा सबसे बड़ा कारण है। अब आप सोचिए कि कितनी बड़ी विडंबना है। जिनकी फ्रेंडलिस्ट जितनी बड़ी है, वही सबसे ज्यादा उस मोड़ पर पहुंच रहे हैं, जहां खड़े होकर उन्हें अपने लिए खुदकुशी के अलावा कोई रास्ता नहीं दिखता।

थोड़ी खुदगर्जी हमें छोड़ देनी चाहिए। अपने करीबियों, दोस्तों को सुनने का वक्त निकाल लेना चाहिए। क्या पता कब कोई इशारा पकड़ में आ जाए और हमें मौत के मुहाने खड़ी कोई जान बचाने का मौका मिल जाए। और थोड़ी खुदगर्जी पाल भी लेनी चाहिए। मन का गुबार निकालना सीख लेना चाहिए। जिंदगी इतनी सस्ती नहीं कि उसे हाथ से फिसल जाने दें।

हटे 'बोर्ड' का बोझ

केंद्र सरकार की ओर से बुधवार को जारी किए गए नैशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) की जो सबसे बड़ी खूबी कही जा सकती है वह है इसे तैयार करने में दिखाया गया लचीलापन। इसी साल अप्रैल में जारी किए गए इसके ड्राफ्ट पर लोगों से फीडबैक मांगा गया था। बड़े पैमाने पर फीडबैक आया भी और उस पर खुलेपन से विचार भी किया गया। यह बात उन बदलावों से स्पष्ट है जो अप्रैल में जारी ड्राफ्ट के मुकाबले बुधवार को जारी अंतिम एनसीएफ में दिख रहे हैं। ड्राफ्ट में छठी, सातवीं और आठवीं क्लास में तीन भाषाएं और नौवीं-दसवीं में दो भाषाएं पढ़ाने की बात थी, जबकि दसवीं और ग्यारहवीं में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं को लेकर कोई दिशानिर्देश नहीं दिया गया था। लेकिन फाइनल कॉपी में नौवीं और दसवीं क्लास के लिए तीन भाषाएं (दो भारतीय) जबकि दसवीं और ग्यारहवीं के लिए दो भाषाएं (एक भारतीय) पढ़ाने की बात साफ-साफ कही गई है। दूसरा महत्वपूर्ण उदाहरण वार्षिक परीक्षा व्यवस्था की जगह सेमेस्टर सिस्टम लाने का है। ड्राफ्ट

में इस बदलाव को तत्काल लागू करने की सिफारिश की गई थी। लेकिन बताया जाता है कि कई राज्य इसके खिलाफ थे। उनका कहना था कि उनके इन्फ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए यह बदलाव तत्काल करना ठीक नहीं होगा और इसलिए इस पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। इन सुझावों के अनुरूप फाइनल एनसीएफ कहता है कि लंबी अवधि में सभी बोर्डों को सेमेस्टर सिस्टम लागू करना चाहिए।

एक अहम व्यवस्था जिसे ड्राफ्ट और फाइनल दोनों में जस का तस रखा गया है, 12वीं के बोर्ड एग्जाम से जुड़ी है। एनसीएफ के मुताबिक, 12वीं क्लास में बोर्ड एग्जाम साल में दो बार हुआ करेंगे। स्टूडेंट्स अपनी मर्जी और तैयारी के मुताबिक विषय चुनकर इनमें बैठ पाएंगे और बाकी विषय अगली बार के लिए रख सकेंगे। इतना ही नहीं, उन्हें दोनों परीक्षाओं में बैठने और बेस्ट स्कोर रखने का भी अधिकार होगा। जाहिर है, इस व्यवस्था का मकसद स्टूडेंट्स पर बोर्ड एग्जाम का दबाव कम करना है। संपूर्णता में देखा जाए तो एनसीएफ की तमाम सिफारिशें 2020 में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों और भावनाओं के अनुरूप हैं। एनसीएफ की भूमिका स्कूली पाठ्यक्रम, पढ़ाने के तौर-तरीके वगैरह तय करने का पैमाना तैयार करने की होती है। हालांकि शिक्षा राज्य सूची का विषय है और इसीलिए खासकर राज्य शिक्षा बोर्डों के लिए इसकी सिफारिशें बाध्यकारी नहीं हैं। फिर भी देश में स्कूली शिक्षा को बदलते दौर की जरूरतों और वैश्विक मानदंडों के अनुरूप ढालने और इसके साथ-साथ बच्चों को अपनी जड़ों से भी जोड़े रखने के लिहाज से ये खासे महत्वपूर्ण हैं। हां, यह देखना जरूरी है कि इस पर अमल करते हुए भी वह संवेदनशीलता बनाए रखी जाए जो ड्राफ्ट को अंतिम रूप देते हुए दिखाई गई ताकि व्यवहार में अगर उम्मीदों के मुताबिक नतीजे आते न दिखें तो आवश्यक फेरबदल करने में ज्यादा मुश्किल न हो।

दैनिक पंचांग

11 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.16 बजे से
चंद्र	कर्क में	तुला	08.26 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.41 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.57 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	15.02 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.49 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	18.21 बजे से
राहु	मेष में	मेष	19.52 बजे से
केतु	तुला में	वृष	21.32 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	23.30 बजे से
		कर्क	01.44 बजे से
		सिंह	04.00 बजे से

सोमवार 2023 वर्ष का 254 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वादशी 23.53 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 20.01 बजे को समाप्त।
योग परिघ 00.13 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 10.40 बजे तदनन्तर तैतिल 23.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871733
जूलियन दिन 2460198.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर
तारीख 25

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 11 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (डी डू डे डो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

प्रसंगत: मानव चरित्र

एक बार एक जिज्ञासु व्यक्ति ने एक संत से प्रश्न किया, महाराज, रंग रूप, बनावट प्रकृति में एक जैसे होते हुए भी कुछ लोग अत्यधिक उन्नति करते हैं। जबकि कुछ लोग पतन के गर्त में डूब जाते हैं। संत ने उत्तर दिया, तुम कल सुबह मुझे तालाब के किनारे मिलना। तब मैं तुम्हे इस प्रश्न का उत्तर दूंगा। अगले दिन वह व्यक्ति सुबह तालाब के किनारे पहुंचा। उसने देखा कि संत दोनों हाथ में एक एक कमंडल लिए खड़े हैं। जब उसने ध्यान से देखा तो पाया कि एक कमंडल तो सही है। लेकिन दूसरे की पेंदी में एक छेद है। उसके सामने ही संत ने दोनों कमंडल तालाब के जल में फेंक दिए। सही वाला कमंडल तो तालाब में तैरता रहा। लेकिन छेद वाला कमंडल थोड़ी देर तेरा। लेकिन जैसे जैसे उसके छेद से पानी अंदर आता गया। वह डूबने लगा और अंत में पूरी तरह डूब गया। संत ने जिज्ञासु व्यक्ति से कहा- जिस प्रकार दोनों कमंडल रंग-रूप और प्रकृति में एक समान थे। किंतु दूसरे कमंडल में एक छेद था। जिसके कारण वह डूब गया। उसी प्रकार मनुष्य का चरित्र ही इस संसार सागर में उसे तैराता है। जिसके चरित्र में छेद (दोष) होता है। वह पतन के गर्त

ज्वेलरी केयर के टिप्स

बहुमूल्य रत्नों के अपने आभूषणों, जिन्हें आप चाहे रोज पहन रही हों या कभी-कभी पहनती हों, की बीच-बीच में जांच अवश्य करती रहें। देखें कि कहीं उसमें लगे रत्न हिल तो नहीं रहे या फिर उनमें दरार या किसी किस्म की लाइन तो नहीं आ गई है।

- जब आप ज्वेलरी पहनें तो उसके ऊपर परफ्यूम या कॉस्मेटिक न लगाएं। मेकअप करने के बाद ही उन्हें पहनें।
- सोने, चांदी या जेम स्टोन की ज्वेलरी पसीने या किसी किस्म की चिकनाई लगने से अपनी चमक खो देती है, इसलिए उनकी चमक व रंग बरकरार रखने के लिए हफ्ते में एक बार उन्हें साबुन के पानी से अवश्य साफ करें।
- हमेशा ज्वेलरी को साफ और सूखे डिब्बे या पाउच में रखें।
- मानसून में ज्वेलरी में नमी आ जाती है, इसलिए उन्हें रखने के लिए सिलिका जैल सेशैट्स का इस्तेमाल करें। इन सेशैट्स को अपने ज्वेलरी बॉक्स में रख लें।
- आप मलमल के कपड़े या टिश्यू पेपर में भी अपनी ज्वेलरी को लपेटकर रख सकती हैं।

प्लैटिनम व गोल्ड की ज्वेलरी को नॉन-एबरेसिव क्लीनिंग एजेंट से साफ न करें।

- कभी भी गोल्ड व सिल्वर की ज्वेलरी को न तो साथ पहनें और न ही रखें। अगर आप दो साथ-साथ की उंगलियों में सिल्वर व गोल्ड की अंगूठियां पहनती हैं तो कुछ समय बाद गोल्ड की रिंग सफेद होने लगती है। एक साथ बहुत सारी ज्वेलरी रखने से उनमें रगड़ लग सकती है। इस बात का खयाल रखें।
- एक्सरसाइज या किसी तरह की शारीरिक गतिविधि करते हुए जेम स्टोन की ज्वेलरी न पहनें।
- सारी ज्वेलरी को एक ही बॉक्स में न रखें, क्योंकि हर स्टोन व मेटल का घनत्व अलग होता है और एक ही जगह उन्हें रखने से हल्के व बारीक काम की ज्वेलरी टूट सकती है।
- स्वीमिंग करते हुए कभी ज्वेलरी न पहने रहें। क्लोरीनयुक्त पानी से वे खराब हो सकती हैं। इन ज्वेलरी को कभी भी उबलते पानी में डालकर साफ न करें और न ही टूथपेस्ट से उन्हें रगड़ें।

इन्हें भी आजमाइए

- रसदार सब्जी बनाते समय यदि धीमी आंच पर बर्तन को ढंक कर पकाएं तो यह ज्यादा स्वादिष्ट और पौष्टिक बनेगी और मसालों की सुगंध भी नहीं बिगड़ेगी।
- यदि टमाटर छीलने हों तो कुछ देर के लिए गर्म पानी में डालकर छीलें। छिलका आराम से उतर जाएगा।
- प्याज काटते समय उसका असर आंखों में कम हो, इसके लिए प्याज छील कर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।
- नींबू सूख गए हों तो उन्हें थोड़ी देर के लिए गर्म पानी में डाल दें। रस निकल आएगा।
- नींबुओं को अधिक समय तक ताजा और रसदार रखने के लिए इन्हें राख में दबाकर रखें।
- हरा धनिया मुरझाने पर गिलास में थोड़े गर्म पानी में धनिए की डंडियां करीब एक घंटे के लिए डुबो देने से ताजा हो जाता है।
- आलू के चिप्स बनाते समय पानी में चुटकी भर फिटकरी डाल दें, चिप्स बिल्कुल सफेद बनेंगे।

इंस्टेंटपनीर ढोकला

सामग्री : 2 कप बेसन, 1/4 कप ताजा दही, 1 टेबलस्पून शक्कर, आधे नींबू का रस, चुटकीभर हींग, 1/4 टीस्पून सोडा बाईकार्बोनेट, 3 टेबलस्पून तेल, 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार।

सजाने के लिए : 4 टेबलस्पून शक्कर का पानी (2 टेबलस्पून शक्कर व 3 टेबलस्पून पानी), कद्दूकस किया हुआ नारियल, 200 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर।

टॉपिंग के लिए : 3 टेबलस्पून तेल, 1/2 टीस्पून राई, 4-6 हरी मिर्च बीच में से चीरी हुई, कुछ सूखी हुई लाल मिर्च।

विधि : बेसन में दही, नमक, शक्कर, नींबू का रस, हींग, 2 टेबलस्पून तेल व हल्दी डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें। 15-20 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

एक पैन में 1 टेबलस्पून तेल और दो टेबलस्पून पानी डालकर गर्म करें। उबलने पर सोडा बाईकार्बोनेट डालें और तैयार किए गए मिश्रण में डालें। चिकनाई लगे बर्तन में मिश्रण उड़ेलकर भाप से पका लें। ठंडा करके शक्कर का पानी डालें। छोटे-छोटे आकार में काट लें। ढोकले के दो टुकड़ों के बीच एक पनीर स्लाइस रखें।

टॉपिंग के लिए : एक पैन में तेल गर्म करें। राई, हरी व लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक फ्राई करें और ढोकले पर उड़ेल दें। कद्दूकस किए हुए नारियल और कटी हुई हरी धनिया से सजाएं।

मैचिंग का फंडा

अगर आप एक ही कलर के सूट, सलवार और दुपट्टे पहन कर बोर हो गई हैं तो ये मैचिंग का फंडा आपको जरूर पसंद आएगा।

मैचिंग का सबसे बड़ा फायदा है कि इसमें आपको अनलिमिटेड वैरायटी मिलेगी। इसमें आपको फ्लावर, बोक्स नेचुरल प्रिंट आदि अनगिनत प्रिंट मिल जाएंगे। आप चाहें तो प्रिंटेड सूट, मैचिंग प्रिंट की सलवार और दुपट्टा ले सकती हैं। इसमें आपको शॉर्ट लेंथ के सूट और कुर्ते, लॉन्ग लेन्थ के सूट और कुर्ते डिफ्रेंट स्टाइल और सीप, मोती आदि वर्क में मिल जाएंगे। आपको हर प्रिंट और स्टाइल के दुपट्टे मिल जाएंगे वो भी नेचुरल और क्लासिक हर कलर में इसमें आपको कॉटन, सिल्क, सिंथेटिक, चिकन समेत सभी स्टफ मिल जाएंगे। आप मैचिंग के फंडे में अपने हिसाब से अपने लिए अपनी हिसाब से अपने लिए अपनी पसंद की ड्रेस डिजाइन कर सकती है।

सस्ता फंडा

मैचिंग के फंडे का एक फायदा यह भी है कि आपको यह ड्रेस नार्मल से सस्ती पड़ती है। अगर आप पूरी तरह ड्रेस एक ही स्टाफ में बनवाती हैं तो स्टफ महंगा पड़ता है, साथ ही ड्रेस की सिलाई भी अलग से देनी पड़ती है लेकिन मैचिंग ड्रेस में आप रेडीमेट सूट, सलवार और दुपट्टा अलग-अलग स्टफ में लेती हैं तो यह सस्ती पड़ती है। साथ ही ड्रेस की सिलई का खर्च भी बच जाता है। एक मैचिंग ड्रेस आपको ३०० रूपए तक में बड़ी आसानी से मिल जाएगी। सस्ता होने के कारण भी आजकल मैचिंग का फंडा कुछ ज्यादा ही पसंद किया जा रहा है। एक तो नया स्टाइल और वो भी सस्ते में, तो कौन नहीं ट्राई करना चाहेगा इस मैचिंग के फंडे को इसके साथ ही एक सलवार और दुपट्टे के साथ दो-तीन कुर्ते मैच करके आसानी से पहने जा सकते हैं।

नया लुक और स्टाइल

मैचिंग की ड्रेस का एक फायदा यह भी है कि ये आपको एक नया लुक और स्टाइल देती है। एक ही साथ दो या तीन प्रिंट और स्टाइल के स्टफ पहन सकती हैं। इसमें आपको अपनी पसंद की ड्रेस वो भी जैसी आप चाहती हैं वैसी मिल जाएगी। आप चाहे तो पटियाला सलवार पहने या सेमीपटियाला वो भी कुर्ते या सूट वो भी शार्ट लेंथ या फुल लेंथ के साथ में आपकी मर्जी है।

कम्फर्ट के साथ

मैचिंग की ड्रेस में आपको हर साइज की ड्रेस मिल जाएगी। यह ड्रेस इस तरह से डिजाइन की जाती है कि सभी को आराम से आ जाए। अगर फिर भी कोई परेशानी होती है तो ऑलट्रेशन की सुविधा भी आपको मिल जाएगी वो भी मुफ्त में।

डिफ्रेंट दिखने का फंडा

बहुत बार ऐसा होता है कि आप घर से बाहर निकलती हैं और रास्तें में आपको सेम आपकी ही ड्रेस पहने हुए सामने से आती एक लड़की दिखाई देती है, उसकी ड्रेस का प्रिंट और स्टफ वही होता है, जो आपकी ड्रेस का है। ऐसा ही कभी-कभी आफिस और पार्टी में भी होता है। अगर सामने वाले ने भी सेम ड्रेस पहनी हो तो थोड़ा-सा अजीब लगता है। मैचिंग के फंडे में ऐसा कम ही देखने को मिलता है क्योंकि इसमें वैरायटी अनलिमिटेड है, साथ ही हर किसी की पसंद दूसरे से कुछ अलग होती है।

मां होती है अच्छी सहेली

मां नाम सुनते ही हमारा मन प्रफुल्लित हो जाता है। यह नाम हमें याद दिलाता है उस प्यार व एहसास का जिसके स्पर्श मात्र से हमारी सभी परेशानियों व बातों का हल निकल जाता है। बेटियों के लिए तो उनकी खास दोस्त होती है मां जिसे वह बेझिझक अपनी दिल की बात बताती है। हम घर में सबसे अधिक मां के पास ही रहते हैं, जिससे वह हमें, हम उन्हें अच्छी तरह से जान चुके होते हैं। हम अपनी छोटी-बड़ी बातें व जरूरतें अपनी मां से ही कहते हैं। वह हमारी इच्छा को पूरा करने का भरसक प्रयास करती है और उनसे नहीं हो पाता तो वह हमारे पिता को मना कर हमारी हर इच्छा को पूरी करने की कोशिश करती हैं। हमारी जरूरतों के साथ हमारे खान-पान, पहनावे का वह विशेष ख्याल रखती हैं। मां हमारा चेहरा देख कर ही जान जाती है कि हम खुश हैं कि दुखी कहें तो मां परिवार को बांधे रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। हमें अगर पढ़ाई व काम के सिलसिले में कही बाहर भी जाना होता है, तो हमें मां की ही सबसे ज्यादा याद आती है। मां का वह अपनापन और प्यार ही है जो हमें उनसे दूर रख कर भी हमें उनसे बांधे रखता है। मां ही हमें सलीके से रहना, पहनना व बातें करना सीखाती है।

रूपल जो कि हास्टल में रहती हैं, उसे अपने डैडी से ज्यादा लगाव है, लेकिन उसका मानना है कि कुछ बाते ऐसी होती हैं जिसे मां से ही शेयर किया जा सकता है। वही स्नेहा को जब भी मौका मिलता है कॉलेज हो या ट्यूशन की बातें सभी कुछ उनसे बताती है और इनसे सजेशन भी लेती हूं, क्योंकि मुझे पता है कि उनसे अच्छा मार्गदर्शन मेरे लिए कोई नहीं हो सकता।

हेल्थ प्लस

भोजन में आवश्यक पौष्टिक तत्व

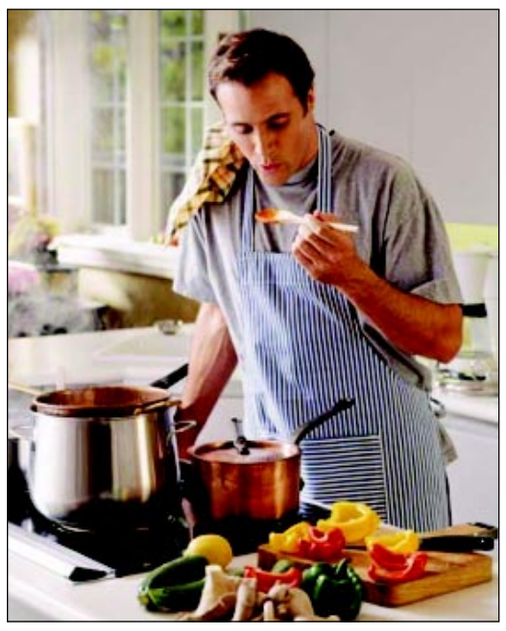

शरीर को स्वस्थ और निरोग रखने के लिए भोजन में पौष्टिक तत्वों का उचित समावेश होना चाहिए। क्या हैं ये पौष्टिक तत्व और इनका स्वास्थ्य में क्या योगदान, आइए जानें -

प्रोटीन

शारीरिक विकास, फुर्तीलेपन, उत्साह और शक्ति के लिए प्रोटीन आवश्यक है। यह शरीर में कोशिकाओं की क्षतिपूर्ति करता है। यह दालों, अनाजों, चना, मटर, दूध, छाछ, पनीर व क्रीम निकले दूध, फल और मेवों आदि में होता है।

वसा

शरीर में गर्मी और शक्ति के लिए वसा का सेवन आवश्यक है। दूध, दही, घी, क्रीम, मक्खन, तेल, काजू, अखरोट, बादाम व मूंगफली आदि में वसा बहुतायत मात्रा में वसा पाई जाती है।

खनिज लवण

खनिज शरीर में शक्ति बनाए रखते हैं , हड्डियों को मजबूत बनाते हैं व रोगों से शरीर की रक्षा करते हैं। ये ताजा साग-सब्जी,फल,गेहूं, चावल, दूध आदि में मिलते हैं।

कार्बोहाइड्रेट

शक्ति, गर्मी और शारीरिक विकास के लिए कार्बोहाइड्रेट की जरुरत होती है। यह गेहूं चावल, मक्का, ज्वार,बाजरा, गन्ना, खजूर, मीठे फलों आदि में विशेष रूप से पाया जाता है।

पानी

शरीर में पानी की मात्रा काफी होती है। नमी बनाए रखने, शरीर की सफाई करके गंदे पदार्थों को शरीर से निकालने में पानी मददगार होता है। पानी की उचित मात्रा से भोजन पचने और खून के दौरे को सुचारु बनाये रखने में मदद मिलती है और शरीर का तापमान भी सही रहता है।

कैल्शियम

दांतों, हड्डियों और बालों के स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम आवश्यक होता है। इससे रंग भी निखरता है और माहवारी संबंधी समस्याएं भी नियंत्रित होती हैं। हरी सब्जियों, दूध,दही, छाछ, पनीर आदि में यह बहुतायत से पाया जाता है।

लौह तत्व

लौह तत्वों की कमी से शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अभाव से खून शरीर के प्रत्येक हिस्से तक शुद्ध रक्त नहीं पहुंचा पाता है। यह हरी सब्जियों, अनाज, फल और सूखे मेवों में पाए जाते हैं।

विटामिन

शरीर को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए विटामिन जरुरी होते हैं। ये हरी सब्जियों, ताजे फल, चावल, गेहूं,दूध से बने पदार्थ, मक्खन, फल, अंकुरित चने,बींस आदि में पाए जाते हैं।

अधिक या कम नींद से हृदय रोग

विशेषज्ञों के अनुसार पर्याप्त नींद लेना बहुत आवश्यक है। पर्याप्त नींद न लेने से व्यक्ति कई बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। अब विशेषज्ञों ने अपने शोध के फलस्वरूप पाया है कि जिस तरह कम नींद लेना भी हानिकारक है। उसी प्रकार अधिक नींद लेना भी हानिकारक है। जो महिलाएं कम सोती हैं या बहुत अधिक सोती हैं उन्हें कोरोनरी हार्ट डिसीज होने की संभावना अधिक होती है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन आठ घंटे की नींग लेनी चाहिए और न ही कम।

जिन महिलाओं ने केवल 5 घंटे की नींद ली उन्हें आठ घंटे नींद लेने वाली महिलाओं की तुलना में हृदयाघात की संभावना 45 प्रतिशत अधिक पाई गई। जो महिलाएं 7 घंटे नींद लेती हैं उन्हें भी आठ घंटे नींद लेने वाली महिलाओं की अपेक्षा हृदयाघात की संभावना 9 प्रतिशत अधिक पाई गई। इसके विपरीत जिन महिलाओं ने 9 घंटे या उससे अधिक नींद ली उन्हें हृदय रोगों के होने की 38 प्रतिशत अधिक संभावना पाई गई।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिक सोने का संबंध स्लीप एपनिया से है जिसमें व्यक्ति को आवश्यक आक्सीजन न मिल पाने से भी हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है।

खतरनाक तंबाकू

देश में गुटखा, खैनी, मैनपुरी, सिगरेट सेवन का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। लोग विभिन्न कारणों से सिगरेट, तंबाकू, गुटखा का सेवन करते है और शीघ्र ही इसके लती हो जाते है। अनुमान है कि तंबाकू परोक्ष, अपरोक्ष मौत का नम्बर एक कारण है। किसी भी रूप में तंबाकू सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है जिसके कारण हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, पक्षाघात, धमनियों के रोग, आंतों के रोग तथा अनेक अंगों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू सेवन से वृद्धावस्था कम उम्र में शुरू हो जाती है और तेजी से बदलाव होते है। औसत आयु कम होती है। धूम्रपान जहर सदृश्य है, इसका सेवन करने से होंठ, अंगुलियों पर निशान पड़ जाते है, जीभ काले रंग की हो जाती है, स्वाद की संवेदना कम हो जाती है। तंबाकू सेवन करने से दांत मसूड़े खराब हो जाते है। स्वाद संवेदना में कमी आती है। आमाशय में अल्सर हो सकते है। सिगरेट, बीड़ी पीने वालों में धमनियों का व्यास कम होने से 'बरजर' रोग के कारण पैरों में असहनीय दर्द होता है और इनमें पैरों की अंगुलियां सड़ जाती है, पैर काटना पड़ सकता है।

धूम्रपान के कारण आंखों के आगे धुंधलापन हो जाता है। फेफड़ों के क्षतिग्रस्त होने से शारीरिक क्षमता कम हो सकती है। टीबी रोग का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। तंबाकू सेवन से मुंह, गले , स्वरतंत्र के कैंसर के अतिरिक्त, अग्न्याशय, गुदों, फेफड़ों, मूत्राशय के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तम्बाकू सेवन करने वालों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, जिससे संक्रमण रोग आसानी से हो सकते है। धूम्रपान से पुरूषों, महिलाओं की प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होती है। तंबाकू से सेक्स क्षमता कमजोर होती है। धूम्रपान के स्वयं पर तो दुष्प्रभाव होते ही साथ ही वातावरण भी प्रदूषित होता है, आसपास मौजूद व्यक्ति में भी दुष्प्रभाव हो सकते है। सिगरेट, बीड़ी से आग लगने का खतरा भी रहता है। अनुमान है कि एक सिगरेट, बीड़ी पीने से आयु में ५ मिनट की कमी हो जाती है।

तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन स्वास्थ्य के लिए घातक है, अत: इसका सेवन न करें, यदि करते है तो आज ही संकल्प लेकर उसका परित्याग करें।

तंबाकू, सिगरेट सेवन छोड़ना मुश्किल है। इसको छोड़ नहीं पा रहे है, तो तंबाकू, नशा उन्मूलन केंद्र में या मनोरोग चिकित्सक से परामर्श लें।

मॉर्निंग को गुड बनाएं जॉगिंग से

शरीर को स्वस्थ और चुस्त रखने के लिए न जाने आज कितने ही तरीके मौजूद हैं। कई मशीनें, बैल्ट, दवाइयां, इंजैक्शन आदि न जाने क्या-क्या चीजें अपनाई जाती हैं लेकिन ऐसे में शरीर के स्वास्थ्य को बरकरार रखने के लिए सबसे अच्छा प्राकृतिक तरीका है व्यायाम और जॉगिंग। जॉगिंग करने से कैलोरी की सबसे ज्यादा और आसानी से खपत होती है लेकिन जॉगिंग करते वक्त कुछ चीजों का ख्याल रखना चाहिए :-

- जॉगिंग करने का सबसे बढ़िया समय होता है सुबह। सुबह की हवा शरीर को ज्यादा फायदा पहुंचाती है।
- इससे शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है और दिन भर शरीर में ताजगी बनी रहती हैं।
- देर तक सोने वाले लोगों में जल्दी उठने की आदत पड़ जाती है।
- जॉगिंग करने का सबसे अच्छा स्थल होता है पार्क या खुला मैदान जहां आसपास खूब सारे पेड़-पौधे आदि हों।
- सुबह सो कर उठने के बाद कुछ भी खाना नहीं चाहिए क्योंकि यह शरीर के लिए हितकर नहीं होता। उठने के बाद अपना मुंह धोएं और कम से कम आधा लीटर पानी पीएं। सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर की गंदगी बाहर निकल जाती है।
- जॉगिंग शुरू करने से पहले अपने शरीर को वार्मअप कर लें जैसे स्किपिंग, उठा-बैठक, कुछ कसरत आदि।
- जॉगिंग पर जाते समय ढीले-ढाले कपड़े पहनें ताकि आपको जो पसीना आए वह आसानी से सूख सके व शरीर को भी आरामदायक महसूस हो।
- जॉगिंग करते वक्त बहुत तेज-तेज न भागें। आप चाहें तो थोड़ी देर धीरे-धीरे भाग सकते हैं या फिर तेज-तेज चलें।

रक्तदान के फायदें

- हमारे शरीर में खून अस्थि मज्जा में बनता है और रक्तदान का सबसे बड़ा फायदा इसी अस्थि मज्जा का सक्रिय रहना है। यानी जिस दर से हमारा शरीर 18 साल की उम्र में खून बनाता है उसी दर से वह 50 साल की उम्र में भी खून बनाएगा।
- बारबार रक्तदान से व्यक्ति का कोलेस्ट्राल नियंत्रण में रहता है।
- सबसे ज्यादा फायदा ब्लड प्रेशर के मरीजों को है। हालांकि उन्हें डाक्टर की सलाह से ही रक्तदान करना चाहिए।
- जिस भी ब्लड बैंक में आप रक्तदान करेंगे वह आपको एक 'डोनर कार्ड' देगा जिस पर आपको अगले 1 साल तक जरूरत पड़ने पर रक्त मुफ्त दिया जाएगा।
- एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, पी।डी।आर।एल। (सिफलिस) व मलेरिया की जांच मुफ्त हो जाएगी। इसके अलावा समाज कल्याण और खुद की संतुष्टि आपको खुश रखेगी।

नमक के फायदे

भोजन को स्वाद देने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक होता है नमक, लेकिन इसके अलावा भी नमक अनेक फायदे देता है। आम दिनचर्या में ही बार-बार नमक का उपयोग कई तरीकों से किया जाता है। आइये जानें:-

- गला खरा होने पर नमकीन पानी से गरारे करें।
- एक भाग नमक में दुगना भाग बेकिंग सोडा मिलाकर दांत साफ करने से दांत चमक उठते हैं।
- मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा और नमक की बराबर मात्रा पानी में मिलाकर कुल्ला करें।
- नहाने के बाद गीले शरीर पर सूखे नमक से हल्की मसाज करें। इससे शरीर की मृत त्वचा हट जाएगी। साथ ही रक्त संचार भी बेहतर हो जाएगा।
- पैरों से दर्द भगाने के लिए गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उसमें पैर डुबोकर बैठें।